आज का विचार

जब तक जीवन के हालात न बदल जाएं, तब तक पहला शौक कमाई का ही होना चाहिए।

दैनिक

सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शुक्रवार, 13 मार्च, 2026 वर्ष 24, अंक 63, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

सदन की मर्यादा और परंपराओं को बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी: ओम बिरला

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के बुधवार को ध्वनिमत से खारिज होने के बाद गुरुवार को अध्यक्ष के आसन पर बैठे। बिरला ने कहा कि भारत के संसदीय इतिहास में तीसरी बार लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर संकल्प आया और इस पर दो दिनों तक 12 घंटे से अधिक चर्चा हुई। उनका हमेशा प्रयास रहा है कि सदन के भीतर प्रत्येक सदस्य नियमों और प्रक्रियाओं के तहत अपने विचार व्यक्त कर सके और सभी को पर्याप्त अवसर मिले।

बिरला ने कहा कि यह सदन समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज बने। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 93 में अध्यक्ष के निर्वाचन का प्रावधान है और इस पावन सदन ने उन्हें दूसरी बार अध्यक्ष पद का दायित्व दिया। उनका प्रयास रहा है कि सदन की कार्यवाही निष्पक्षता, अनुशासन और संतुलन के साथ संचालित हो। दस फरवरी को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था और उन्होंने अपने नैतिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्रस्ताव के प्रस्तुतीकरण के साथ ही सदन की कार्यवाही से स्वयं को अलग कर लिया था।

उन्होंने कहा कि इस चर्चा के दौरान अनेक विचार, दृष्टिकोण और भावनाएं सामने आईं और उन्होंने सभी को गंभीरता से सुना। उन्होंने सदन के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। बिरला ने स्पष्ट किया कि कुछ सदस्यों का मानना था कि प्रतिपक्ष के नेता सदन से ऊपर उठकर किसी भी विषय पर बोल सकते हैं, लेकिन यह किसी को विशेष अधिकार नहीं है। सदन नियमों से चलता है और ये नियम न सरकार ने बनाए हैं, न प्रतिपक्ष ने, बल्कि सदन ने बनाए हैं और सभी सदस्यों पर समान रूप से लागू होते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री या मंत्रीगण भी यदि सदन में वक्तव्य देना चाहते हैं तो नियम 372 के तहत अध्यक्ष से अनुमति लेनी होती है। किसी सदस्य को नियमों से परे जाकर बोलने का विशेषाधिकार नहीं है। उन्होंने संसदीय परंपराओं का जिक्र करते हुए कहा कि 1957 में जब अटल बिहारी वाजपेयी ने जम्मू-कश्मीर से संबंधित कुछ फोटो सदन में रखने चाहे तो स्पीकर ने पहले उन्हें दिखाने का निर्देश दिया और अटल जी ने उसका सम्मान किया। उन्होंने 1958 में भी कई उदाहरण हैं जब बिना स्पीकर की अनुमति दस्तावेज सदन में नहीं रखे गए।

बिरला ने कहा कि अध्यक्ष के निर्णय से कोई भी सदस्य सहमत या असहमत हो सकता है, लेकिन नियमों और परंपराओं को लागू करना उनका कर्तव्य है। जब भी कुछ सदस्य सदन की मर्यादा के विरुद्ध आचरण करते हैं तो उन्हें कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 105 का हवाला देते हुए कहा कि संसद में बोलने की आजादी है, लेकिन यह सदन द्वारा स्वीकृत नियमों और स्थाई आदेशों के अधीन है।

उन्होंने प्रतिपक्ष द्वारा माइक बंद करने के आरोपों पर कहा कि आसन के पास कभी भी माइक ऑन-ऑफ करने का बटन नहीं होता। जिस सदस्य को बोलने की अनुमति दी जाती है, उसी का माइक ऑन होता है। उन्होंने महिला सदस्यों के सम्मान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा महिला सांसदों को बोलने का पर्याप्त अवसर दिया और प्राथमिकता दी, लेकिन जब कुछ महिला सदस्य वेल पार कर ट्रेजरी बेंच की तरफ जाकर नारेबाजी कर रही थीं और बैनर दिखा रही थीं, तो अप्रत्याशित स्थिति बन सकती थी। इसलिए उन्होंने सदन की व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रधानमंत्री को बोलने से रोका।

बिरला ने कहा कि उनका प्रयास हमेशा रहा है कि किसी सदस्य का निलंबन न हो, लेकिन सदन की व्यवस्था बनाए रखना भी उनकी जिम्मेदारी है। जब कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं तो उनका मन दुखी होता है, लेकिन यह सोचना होगा कि ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि 1997 और 2001 में भी सदन की मर्यादा और गरिमा पर चर्चा हुई थी और सर्वसम्मति से संकल्प लिया गया था कि नारेबाजी, पोस्टर दिखाना, कागज फाड़ना और अभद्र मुद्राओं का प्रदर्शन नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि उस समय सोनिया गांधी ने भी कहा था कि वेल में आने पर पूर्ण रोक लगनी चाहिए और उल्लंघन पर स्वतः अनुशासनात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। सदन की मर्यादा और परंपराएं बनाए रखना जरूरी है क्योंकि सदन का आचरण पूरे देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए उदाहरण होता है। मतभेद हो सकते हैं, लेकिन लोकतंत्र में व्यवस्था बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है।

बिरला ने कहा कि उन्हें अच्छा नहीं लगता कि बार-बार कहना पड़े कि तख्तियां दिखाना, नारे लगाना, कागज फाड़ना और मेजों पर चढ़ना संसदीय लोकतंत्र की परंपरा नहीं है। सदन और देश इस मत से सहमत नहीं है। उन्होंने आग्रह किया कि सदन में अच्छी परंपराओं और मर्यादाओं को बनाए रखने के लिए सामूहिक संकल्प लिया जाए और सामूहिक विचार-विमर्श हो। सदन को देखकर देश का विश्वास और भरोसा कायम रहता है और लाखों लोग अपेक्षा करते हैं। इसलिए हमें सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए।

इन्फोसिस मोहाली में 2700 युवाओं को सीधे रोजगार और हजारों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार देगी: भगवंत सिंह मान

मार्च 2022 से अब तक पंजाब में 1.55 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे 5.44 लाख युवाओं के लिए नौकरियाँ पैदा हो रही हैं

यज्ञांश शर्मा
मोहाली

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि पंजाब अपनी औद्योगिक प्रगति में एक निर्णायक परिवर्तन देख रहा है। 2022 से पहले की लूट-खसोट और अस्थिर माहौल के बाद अब वैश्विक निवेशक राज्य में फिर से लौट रहे हैं। मोहाली में इन्फोसिस के 286 करोड़ रुपये की लागत वाले नए कैंपस के शिलान्यास समारोह के बाद बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना 2,700 युवाओं को सीधे रोजगार देगी, जबकि हजारों लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि मार्च 2022 से अब तक पंजाब सरकार को 1.55 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जिनसे 5.44 लाख से अधिक युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने आगे कहा कि मोहाली में 13 से 15 मार्च तक आयोजित होने वाला प्रगतिशील पंजाब निवेश सम्मेलन राज्य की औद्योगिक प्रगति के लिए एक ऐतिहासिक अवसर साबित होगा और आने वाले तीन दिन पंजाब के आर्थिक विकास की नई कहानी लिखेंगे।

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की विश्व-प्रसिद्ध कंपनी इन्फोसिस के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने पंजाब सरकार की उद्योग-पक्षीय नीतियों में विश्वास व्यक्त करने के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने देश की आर्थिक प्रगति में कंपनी के संस्थापक एन. आर. नारायण मूर्ति के महान योगदान को भी याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा, आज पंजाब के लिए, विशेषकर औद्योगिक क्षेत्र के लिए, ऐतिहासिक दिन है। मैं वैश्विक कंपनी इन्फोसिस के प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत करता हूँ और हमारी सरकार की उद्योग-पक्षीय नीतियों पर विश्वास जताने के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूँ। मैं देश की आर्थिक प्रगति में इन्फोसिस के संस्थापक एन.आर. नारायण मूर्ति के अमूल्य योगदान को भी याद करता हूँ।

भारतीय आईटी क्षेत्र के अग्रदूत माने जाने वाले नारायण मूर्ति का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें भारतीय आईटी उद्योग का पितामह कहा जाता है। उन्होंने कहा कि इन्फोसिस की 286 करोड़ रुपये की इस नई परियोजना का शिलान्यास मोहाली में किया जा रहा है, जो 2,700 युवाओं को सीधे रोजगार देगी और हजारों युवाओं के लिए अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस परियोजना के पहले चरण में एक एकीकृत कैंपस स्थापित किया जाएगा, जिसमें सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट ब्लॉक, फूड कोर्ट और अन्य आधुनिक सुविधाएँ होंगी। लगभग 3.50 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में बनने वाले इस कैंपस में लगभग 3,000 लोगों के बैठने की क्षमता होगी। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार इस परियोजना के लिए इन्फोसिस को पूरा सहयोग देगी ताकि अन्य कंपनियाँ भी पंजाब में निवेश करने के लिए प्रेरित हों और युवाओं के लिए अधिक रोजगार के अवसर पैदा हों। इन्फोसिस की वैश्विक प्रतिष्ठा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कंपनी तकनीक और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है और वर्तमान में इसके लगभग 3,37,034 कर्मचारी दुनिया भर में कार्यरत हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में कंपनी ने 15.12 अरब डॉलर की आय दर्ज की है। उन्होंने कहा कि इससे पंजाब अब वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर उभरकर सामने आया है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 20 मार्च को लुधियाना में 3,200 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाले देश के दूसरे सबसे बड़े टाटा स्टील प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया जाएगा। यह परियोजना 2,500 युवाओं को रोजगार प्रदान करेगी और राज्य के आर्थिक विकास को गति देगी।

2047 के विकसित भारत में हरियाणा की रहेगी अग्रणी भूमिका: नायब सैनी

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 2047 के विकसित भारत में हरियाणा की अग्रणी भूमिका रहेगी। इसके लिए हरियाणा निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने विकसित भारत का लक्ष्य देने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया। मुख्यमंत्री गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एक समिट में बोल रहे थे।

- उद्योग और कौशल पर विशेष ध्यान दे रही हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री
- नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित समिट में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने की शिरकत

इस दौरान संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किसान, महिला सशक्तिकरण, युवाओं को रोजगार और गरीब उत्थान के चार स्तंभों पर काम करने क आह्वान किया है। हरियाणा सरकार इन सभी पर तेजी से कार्य कर रही है। आज हरियाणा का किसान पारंपरिक खेती के साथ-साथ प्राकृतिक खेती, बागवानी में बेहतर कार्य कर रही है। हरियाणा सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। आज महिलाएं कृषि, हैल्थ, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में भरपूर योगदान दे रही हैं। प्रदेश सरकार ने युवाओं के लिए स्टार्टअप नीति बनाई है। गरीब उत्थान के लिए मजबूती से कार्य किया जा रहा है। आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, पीएम जनधन खाता योजना, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भविष्य को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार ने फ्यूचर डिपार्टमेंट बनाया है। इसका मकसद है कि आने वाले समय में लंबे समय को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जाए ताकि लोगों को कोई परेशानी न आए। हर क्षेत्र में व्यवस्थित विकास सुनिश्चित हो सके। इसी सोच के साथ हरियाणा सरकार विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले युवाओं को शोध के लिए प्रोत्साहित कर रही है ताकि विश्वविद्यालयों के छात्र विभिन्न क्षेत्रों में शोध कर सकें और यह पहचान सकें कि किन-किन क्षेत्रों में क्या समस्याएँ हैं। इसके साथ-साथ इनका समाधान भी निकाल सके। इसी दृष्टि से एक विशेष विभाग फ्यूचर डिपार्टमेंट स्थापित किया गया है, जो भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए योजनाओं पर काम करेगा।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में भारत एआई, अनुसंधान और विकास को अपना रहा है। प्रधानमंत्री जी लगातार इस बात पर जोर देते रहे हैं कि नई तकनीकों का अधिकतम उपयोग आम जनता के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। हाल ही में आयोजित एआई समिट में भी दुनिया भर से विशेषज्ञ और प्रतिनिधि भारत आए और उन्होंने तकनीक के भविष्य को लेकर अपने विचार साझा किए। इसी दिशा में हरियाणा सरकार भी आगे बढ़ रही है। पिछले बजट में यह घोषणा की गई थी कि पंचकूला और गुरुग्राम में दो स्थानों पर एआई हब स्थापित किए जाएंगे। इस दिशा में कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में चंडीगढ़ में भी एक एआई समिट आयोजित की गई, जिसमें इस क्षेत्र से जुड़े अनेक विशेषज्ञों और प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ईरान समस्या सुलझेगी तब भी गैस संकट खत्म नहीं होगा: राहुल गांधी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध से उत्पन्न गैस सिलेंडर संकट पर कहा कि यदि ईरान के स्तर पर समस्या सुलझ भी जाती है, तब भी यह संकट समाप्त नहीं होगा, क्योंकि दुनिया बदल रही है और संरचना बदल रही है। इसलिए हमें अपना माइंडसेट बदलना होगा। यदि भारत को केंद्र में रखकर काम नहीं किया गया तो समस्या और गहरी होगी।

राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि देश में एलपीजी और तेल संकट की अभी शुरूआत है। उन्होंने सदन में बोलने की इच्छा जताई, लेकिन नई प्रक्रिया के चलते उन्हें अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा कि अब मंत्री पहले तय करेंगे, फिर वह बोलेंगे और उसके बाद मंत्री जवाब देंगे। असल मुद्दा यह है कि गैस, पेट्रोल और सभी ईंधन समस्या बनने जा रहे हैं, क्योंकि हमारी ऊर्जा सुरक्षा से समझौता हो चुका है।

उन्होंने कहा कि अभी तैयारी करने की जरूरत है, क्योंकि हमारे पास समय है। प्रधानमंत्री और सरकार को तुरंत इस संकट से निकलने की तैयारी शुरू करनी चाहिए। अगर तैयारी नहीं की गई तो करोड़ों लोगों को नुकसान होगा। यह मुद्दा केवल ईरान से ईंधन मिलने या न मिलने का नहीं है, बल्कि हम एक अस्थिर समय में प्रवेश कर रहे हैं। ऐसे समय में पुराना सोच काम नहीं करेगा और हमें नई सोच अपनानी होगी।

उन्होंने कहा कि वह कोई राजनीतिक बयान नहीं दे रहे हैं, बल्कि एक बड़ी समस्या को सामने देख रहे हैं। प्रधानमंत्री को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत के लोग सुरक्षित रहें और ऊर्जा सुरक्षा बनी रहे। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन वह खुद घबराए हुए हैं। इस वजह से सदन में नहीं आ पा रहे हैं। प्रधानमंत्री देश से कह रहे हैं कि घबराने की जरूरत नहीं है, जबकि वह खुद अलग कारणों से घबराए हुए हैं।

ईरानी विदेश मंत्री से बातचीत में जयशंकर ने ऊर्जा सुरक्षा का भी उठाया मुद्दा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के हालात के बीच ईरान के विदेश मंत्री से अब तक तीन बार बातचीत की। इसमें भारतीय जहाजों की सुरक्षा और देश की ऊर्जा सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा हुई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक सवाल पर कहा, पिछले कुछ दिनों में विदेश मंत्री और ईरान के विदेश मंत्री के बीच तीन बार बातचीत हुई है। अंतिम बातचीत में शिपिंग की सुरक्षा और भारत की ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अलावा अभी मेरे लिए कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से सबसे ज्यादा तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसके चलते देश में गैस की उपलब्धता में कमी आई है।

वहीं बांग्लादेश को पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पर प्रवक्ता ने कहा कि भारत विशेष रूप से हमारे पड़ोसियों के लिए परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों का एक प्रमुख निर्यातक है। हमें बांग्लादेश सरकार से डीजल की आपूर्ति के लिए एक अनुरोध प्राप्त हुआ है, जिस पर विचार किया जा रहा है। बांग्लादेश के साथ संबंधों के प्रति हमारे जनकेंद्रित और विकास-उन्मुख दृष्टिकोण को देखते हुए हम 2007 से नुमालीगढ़ रिफाइनरी से विभिन्न माध्यमोंः जलमार्ग, रेल और बाद में भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइप-लाइन के माध्यम से डीजल की आपूर्ति कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अक्टूबर 2017 में नुमालीगढ़ रिफाइनरी और बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के बीच पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर हाई-स्पीड डीजल की आपूर्ति के लिए एक बिक्री-खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। हालांकि 2007 से बांग्लादेश को डीजल का निर्यात काफी हद तक जारी रहा है, लेकिन निर्णय लेते समय भारत की रिफाइनरी क्षमता, अपनी आवश्यकता और डीजल की उपलब्धता को ध्यान में रखा जाएगा।

कृषि नीति और नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी बढ़ानी बहुत जूरूरी: राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उन्हें नीति निर्माण, निर्णय-निर्धारण तथा नेतृत्व पदों में अधिक अवसर मिलना चाहिए। महिलाओं की व्यापक भागीदारी से कृषि क्षेत्र में लैंगिक समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रपति गुरुवार को यहां ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑन द रोल ऑफ वीमेन इन एग्री-फूड सिस्टम्स (जीसीडब्ल्यूएएस-2026) के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाएं बुवाई, कटाई, प्रसंस्करण और फसलों को बाजार तक पहुंचाने सहित कृषि की लगभग हर गतिविधि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके अलावा वे मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, पशुपालन, वन उत्पादों के उपयोग और कृषि आधारित उद्यमों के संचालन में भी लगातार योगदान दे रही हैं। महिलाएं कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अमूल्य योगदान देती हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में कुल छात्रों में 50 प्रतिशत से अधिक और अन्य विश्वविद्यालयों में 60 प्रतिशत से अधिक छात्राएं हैं, जो शैक्षणिक प्रदर्शन में भी उत्कृष्ट हैं। ऐसे में सरकार, समाज और कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों की जिम्मेदारी है कि इन प्रतिभाशाली छात्राओं को प्रोत्साहन और समर्थन प्रदान किया जाए, ताकि वे कृषि और खाद्य उत्पादन के क्षेत्र में नेतृत्व कर सकें।

राष्ट्रपति ने कहा कि मातृत्व में नेतृत्व की भावना निहित होती है, लेकिन अक्सर इसे घर की सीमाओं तक ही सीमित मान लिया जाता है। इस सोच को बदलते हुए महिलाओं को कृषि क्षेत्र में नेतृत्व देने के लिए आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2026 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ द वुमन फार्मर घोषित किया है। इसका उद्देश्य कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखला में लैंगिक अंतर को कम करना और महिलाओं की नेतृत्व भूमिका को बढ़ावा देना है।

राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं को भूमि के औपचारिक स्वामित्व, तकनीकी ज्ञान, वित्तीय संसाधनों और अन्य सहयोगी व्यवस्थाओं से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि पिछले दशक में भारत ने महिलाओं को कृषि क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए कई पहल की हैं। महिला-नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों को बढ़ावा देने वाली पहलें इस दिशा में प्रभावी साबित हुई हैं।

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर पीपल, प्लेनेट, प्रॉस्पेरिटी, पीस और पार्टनरशिप को समान महत्व देने पर सहमति बनी है। पीपल के आयाम में लैंगिक समानता को विशेष प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कृषि सहित सभी क्षेत्रों में प्रभावी लैंगिक समावेशन से न केवल सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति होगी, बल्कि पृथ्वी को भी अधिक संवेदनशील और सामंजस्यपूर्ण बनाया जा सकेगा।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय कृषि में बहनों और बेटियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। बीज बोने से लेकर कटाई, भंडारण तक हर चरण में महिलाएं अग्रणी हैं। आज हमारी बेटियां बड़ी संख्या में कृषि शिक्षा की ओर आगे बढ़ रही हैं। इसी दिशा में आईसीएआर शीघ्र ही एक जेंडर प्लेटफॉर्म लॉन्च करने जा रहा है, जो पूरे देश के कृषि अनुसंधान नेटवर्क में महिला-केंद्रित शोध को नई गति और दिशा देगा।

यह तीन दिवसीय सम्मेलन कृषि विज्ञान उन्नति ट्रस्ट, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान सलाहकार समूह तथा पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भागीदारी को मुख्यधारा में लाने और इस दिशा में नीति-ढांचे को मजबूत करने पर विचार-विमर्श करना है।

थर्ड फ्रंट में जिसे जाना वह जाए, हमारी सरकार प्रदेश में करती रहेगी जनहित कार्य : सुक्खू

मुख्यमंत्री ने कहा, हिमाचल में रोबोटिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध करवाई गई

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

- दो दिवसीय दौरे पर हमीरपुर जिला के नादौन क्षेत्र पहुंचे सीएम

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू वीरवार को दो दिवसीय दौरे पर हमीरपुर जिला के नादौन क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान अमतर क्रिकेट स्टेडियम में कांग्रेस कार्यकताओं और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री नादौन डिग्री कॉलेज पहुंचे, जहां उन्होंने बहुउद्देशीय भवन का शिलान्यास किया तथा डिजिटल लाइब्रेरी, वर्चुअल क्लासरूम और स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने थर्ड फ्रंट के सवाल पर कहा कि किसी को भी नई पार्टी बनाने का लोकतांत्रिक अधिकार है। जो व्यक्ति जाना चाहता है, वह जा सकता है और किसी को रोका नहीं जा सकता।

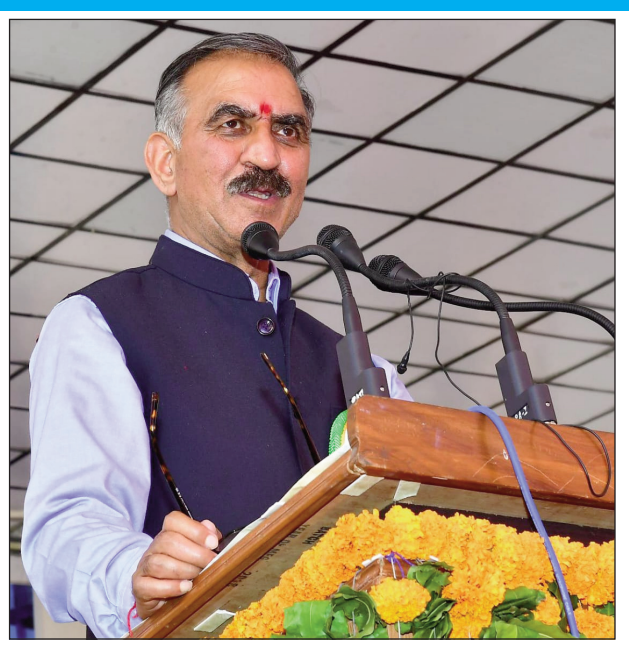

उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार अपना दो वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा हिमाचल के विकास की विरोधी क्यों है और राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) के मुद्दे पर भाजपा ने चुप्पी क्यों साध रखी है। नेता प्रतिपक्ष द्वारा रोबोटिक सर्जरी को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एम्स की तर्ज पर हिमाचल में रोबोटिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है, जबकि उनके कार्यकाल में नेरचौक मेडिकल कॉलेज में एक एमआरआई मशीन तक स्थापित नहीं हो पाई थी। उन्होंने कहा कि भाजपा और पूर्व मुख्यमंत्री हिमाचल के विकास को लेकर कुंठाग्रस्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार रही है, ताकि आम जनता को बेहतर इलाज मिल सके। एलपीजी गैस की उपलब्धता पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में फिलहाल गैस की कोई किल्लत नहीं है। यदि किसी प्रकार की कमी होती है तो सरकार हर संभव कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री ने नादौन डिग्री कॉलेज में अपने देर से पहुंचने के बावजूद छात्रों द्वारा इंतजार करने पर उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा में आधुनिकता और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में कॉलेज में स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी और बहुउद्देशीय भवन की शुरूआत की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि जून माह से मेडिकल कॉलेज में कक्षाएं शुरू की जाएंगी और हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में मल्टी सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इसके साथ स्वास्थ्य सुविधाओं को उच्च स्तर तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर ही डेंटल कॉलेज स्थापित करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

शिक्षा विभाग करेगा प्रदेश के सभी कॉलेजों की रैंकिंग, इसी माह शुरू होगी प्रक्रिया: रोहित ठाकुर

- 75 वें वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह की अध्यक्षता की

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने प्रदेश के सबसे पुराने राजकीय वल्लभ महाविद्यालय मंडी के 75वें वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने शिक्षा, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों सहित विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रोहित ठाकुर ने कहा कि वार्षिक समारोह किसी भी छात्र के जीवन का अहम पड़ाव होता है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार कौशल आधारित एवं रोजगार परक शिक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान कर रही है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए प्रदेश सरकार ने सभी राजकीय महाविद्यालयों में रैंकिंग व्यवस्था शुरू करने का निर्णय लिया है। इससे विभिन्न कॉलेजों के मध्य एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा शुरू होगी और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भी उत्तरोत्तर बढ़ोतरी सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि अभी तक राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के अंतर्गत प्रदेश के केवल 34 कॉलेज ही आते हैं और शिक्षा विभाग की रैंकिंग प्रणाली में सभी 134 कॉलेजों को शामिल किया जाएगा। इसकी शुरूआत इसी माह से करने की तैयारियां विभाग द्वारा कर ली गई हैं। रोहित ठाकुर ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण के साथ ही प्राध्यापकों की नियुक्ति को भी प्राथमिकता प्रदान की जा रही है। वर्तमान प्रदेश सरकार ने वर्ष 2023 में 484 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्तियां विभिन्न कॉलेजों में की हैं। इसके अतिरिक्त विभाग को 394 सहायक प्राध्यापकों के पद भरने की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है और भर्ती प्रक्रिया शीघ्र ही शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कॉलेज कैडर में पदोन्नति के माध्यम से प्राचार्य के लगभग 103 पद वर्तमान सरकार के कार्यकाल में भरे गए हैं। इन्हीं प्रयासों का सुपरिणाम है कि उच्चतर शिक्षा में सकल नामांकन (दाखिले) अनुपात में आज हिमाचल देशभर में 43 प्रतिशत की दर के साथ दूसरे स्थान पर है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि स्कूली स्तर पर भी शैक्षिक ढांचे को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

जीजीएम साइंस कॉलेज की ओर से निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू स्थित जीजीएम साइंस कॉलेज की एनएसएस यूनिट्स और उन्नत भारत अभियान समिति द्वारा मखनपुर गांव में निःशुल्क मेडिकल हेल्थ चेक-अप कैंप का आयोजन किया गया। यह शिविर हेक्सामेड डायग्नोस्टिक सेंटर, छन्नी हिम्मत के सहयोग से लगाया गया जिसका उद्देश्य ग्रामीणों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। शिविर के लिए मेडिकल टीम और एनएसएस स्वयं सेवकों को कॉलेज परिसर से प्रिंसिपल प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने वरिष्ठ संकाय सदस्यों की उपस्थिति में रवाना किया। उन्होंने इस पहल को सामुदायिक सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। शिविर से पहले एनएसएस स्वयंसेवकों और उन्नत भारत अभियान समिति के सदस्यों ने गांव में घर-घर जाकर लोगों को कार्यक्रम की जानकारी दी और उन्हें मुफ्त स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने मरीजों के पंजीकरण और परामर्श प्रक्रिया में डॉक्टरों की सहायता कर कार्यक्रम को सुचारु रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हेक्सामेड डायग्नोस्टिक सेंटर के अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने ग्रामीणों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर सहित अन्य आवश्यक जांचें की गईं। डॉक्टरों ने लोगों को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवनशैली और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में भी जानकारी दी।

जम्मू के आर.एस क्षेत्र में रसोई गैस लेने के लिए लोगों की लंबी-लंबी कतारें

जम्मू। ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर अब धीरे-धीरे भारत में भी देखने को मिल रहा है। जम्मू के आर.एस.पुरा क्षेत्र में गुरुवार सुबह रसोई गैस लेने के लिए लोगों की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। कई लोगों ने बताया कि गैस की बुकिंग करवाने के बावजूद उन्हें समय पर डिलीवरी नहीं मिल पा रही है, जिसके कारण लोग गैस एजेंसियों के बाहर इंतजार करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय हालात के कारण लोगों में चिंता का माहौल है और वे जल्द से जल्द गैस सिलेंडर लेना चाहते हैं। लोगों ने यह भी कहा कि मौजूदा तनाव और संघर्ष जल्द खत्म होना चाहिए ताकि आम जनता पर इसका असर न पड़े। हालांकि केंद्र सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया है कि देश में रसोई गैस और पेट्रोल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और लोगों को घबराने या पैनिक में खरीदारी करने की जरूरत नहीं है। इस संबंध में इंडियन रसोई गैस की आर एस पूरा ऑफिस के मैनेजर कृष्ण लाल ने बातचीत में बताया कि उनके पास जितना भी गैस का भंडार उपलब्ध है, उसके अनुसार सभी उपभोक्ताओं को रसोई गैस उपलब्ध करवाई जाएगी और किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है।

जनगणना-2027 की तैयारियों के लिए मंडी में दूसरे बैच का प्रशिक्षण आरंभ

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

जनगणना-2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की तैयारियों के तहत मंडी के डीआरडीए सभागार में तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे बैच का प्रशिक्षण आरंभ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ मंडलायुक्त आर.के. पृथी ने किया। इस अवसर पर उपायुक्त एवं जिला जनगणना अधिकारी अपूर्व देवगन, एडीएम डॉ मदन कुमार तथा जिला राजस्व अधिकारी हरीश शर्मा भी उपस्थित रहे। मंडलायुक्त आर.के. पृथी ने प्रशिक्षण प्राप्त करने जा रहे अधिकारियों और कर्मचारियों से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और इसकी बारीकियों को अच्छी तरह समझने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि हाउस लिस्टिंग का डेटा अत्यंत महत्वपूर्ण होता है और डेटा की गुणवत्ता जितनी बेहतर होगी, भविष्य की योजना निर्माण प्रक्रिया भी उतनी ही प्रभावी होगी। उन्होंने अधिकारियों से अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है और इसमें किसी प्रकार की शंका या त्रुटि की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। मंडलायुक्त ने बताया कि जनगणना-2027 दो चरणों में संचालित की जाएगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की जाएगी, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या की गणना होगी। उन्होंने कहा कि मकान सूचीकरण के माध्यम से मकानों की स्थिति, सुविधाओं और परिसंपत्तियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है, जो जनसंख्या गणना के लिए आधार तैयार करती है तथा आवास नीतियों के निर्माण में भी सहायक होती है। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना का फील्ड कार्य देश के अधिकांश क्षेत्रों में फरवरी और मार्च 2027 के दौरान किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति की गणना कर उसके व्यक्तिगत विवरण एकत्र किए जाएंगे। बर्फीले क्षेत्रों में यह कार्य इसी वर्ष सितम्बर और अक्तूबर माह में किया जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

हिमाचल में 23 मार्च तक ट्रेजरी में जमा करने होंगे बिल, विभागों को निर्देश जारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार के वित्त विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 के समापन को लेकर सभी जिलों के उपायुक्तों और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वित्त वर्ष के अंतिम दिनों में ट्रेजरी पर भीड़ और तकनीकी दिक्कतों से बचने के लिए सरकारी विभागों को अपने बिल तय समय से पहले जमा करने होंगे। वित्त विभाग की ओर से जारी निदेर्शों के अनुसार ट्रेजरी से जुड़े सभी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के ई-कुबेर बैंकिंग प्लेटफॉर्म पर काम करते हैं और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सभी लेन-देन 31 मार्च 2026 की रात 12 बजे तक बंद कर दिए जाएंगे। इसलिए अंतिम दिनों में अधिक दबाव से बचने और आरबीआई को भुगतान से जुड़ी फाइलों को समय पर प्रोसेस करने का पर्याप्त समय देने के लिए यह व्यवस्था की गई है। विभाग ने कहा है कि सरकारी विभागों द्वारा धनराशि निकालने के लिए प्रस्तुत किए जाने वाले सभी बिल 23 मार्च को शाम 5 बजे तक संबंधित ट्रेजरी में जमा कराना अनिवार्य होगा। हालांकि जनजातीय क्षेत्रों में यह समय सीमा दो दिन अधिक रखी गई है और वहां के विभाग 25 मार्च को शाम 5 बजे तक अपने बिल ट्रेजरी में प्रस्तुत कर सकेंगे। निदेर्शों में यह भी कहा गया है कि ट्रेजरी कार्यालय 31 मार्च को अधिकतम शाम 5 बजे तक संबंधित बैंकों को पे-ऑर्डर जारी कर देंगे, ताकि बैंकों को भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य वित्त वर्ष के अंतिम दिनों में ट्रेजरी और बैंकों पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव को कम करना और भुगतान से जुड़े काम को समय पर पूरा करना है।

पुलिस ने फारूक अब्दुल्ला पर गोली चलाने वाले व्यक्ति की पृष्ठभूमि की जांच शुरू की

जम्मू। पुलिस ने कमल सिंह जमवाल की पृष्ठभूमि की विस्तृत जांच शुरू कर दी है जिस पर जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला की हत्या का प्रयास करने का आरोप है। अधिकारियों ने गुरुवार को जानकारी दी कि पुलिस 63 वर्षीय जमवाल की पृष्ठभूमि की जांच कर रही है जिसमें उसके व्यक्तिगत, सामाजिक और संभावित संगठनात्मक संबंध शामिल हैं ताकि गोलीबारी की घटना के पीछे के मकसद का पता लगाया जा सके। बुधवार रात जम्मू के बाहरी इलाके ग्रेटर कैलाश में शादी समारोह से निकलते समय नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष अब्दुल्ला बाल-बाल बच गए जब आरोपी ने उन पर पीछे से गोली चलाई। अब्दुल्ला के साथ तैनात सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हत्या के प्रयास को विफल कर दिया। जमवाल के पास से एक लाइसेंसी पिस्तौल बरामद की गई है जिसका कथित तौर पर अपराध में इस्तेमाल किया गया था। घटना के समय उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के सलाहकार नासिर असलम वानी भी नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख के साथ थे। जम्मू के पुरानी मंडी निवासी जमवाल ने पुलिस को बताया कि वह पिछले 20 वर्षों से अब्दुल्ला को निशाना बनाने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस हमले से पहले उसकी गतिविधियों और आवाजाही की भी जांच कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वर्तमान में जमवाल से पूछताछ कर रहे हैं जिसने जांचकर्ताओं को बताया कि वह अपनी दुकानों से प्राप्त किराए से अपना जीवन यापन करता है। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि आरोपी हथियार लेकर कार्यक्रम में कैसे प्रवेश करने में सफल रहा।

शहरी आवास योजना के तहत 58 लाभार्थियों को मिले मकान

मंडी। मंडी जिला धर्मपुर क्षेत्र के विधायक चंद्रशेखर ने शहरी आवास योजना के अंतर्गत नगर पंचायत संधोल और धर्मपुर के 58 पात्र लाभार्थियों को मकान के स्वीकृति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर जरूरतमंद परिवार को सुरक्षित और स्थायी आवास उपलब्ध करवाना है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक मकान के निर्माण के लिए 2.50 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिल रहा है। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में सरकार द्वारा धर्मपुर के मण्डप, सज्याओ पिपलू, मढ़ी और गद्दीधार में सीबीएसई स्कूल प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम लागू करना और सीबीएसई स्कूलों की स्थापना सरकार की दूरदर्शी शिक्षा नीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में 21वें स्थान से 5वें स्थान तक पहुंचने में सफल रहा है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। जल्द ही नगर पंचायत क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट, कूड़ा प्रबंधन और सीवरेज सिस्टम जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे लोगों को बेहतर शहरी सुविधाएं मिल सकें।

परीक्षा तनाव कम करने के लिए योग व ध्यान पर कार्यशाला आयोजित

जम्मू। छात्रों में परीक्षा के दौरान होने वाले तनाव को कम करने और उनकी एकाग्रता व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन जम्मू में एक दिवसीय कार्यशाला योगा एंड मेडिटेशन फॉर एग्जामिनेशन स्ट्रेस रिडक्शनका आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन स्टूडेंट वेलनेस कमेटी, साइकोलॉजिकल काउंसलिंग सेल और रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम प्रिंसिपल प्रो. ज्योति परिहार के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए छात्रों को परीक्षा के समय मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए योग और ध्यान जैसी स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया।

बंडू भरवाना तक पहुचाएंगे 32 करोड़ से निमार्णाधीन पेयजल योजना से पानी : यादविंद्र गोमा

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

आयुष, युवा सेवाएं तथा खेल मंत्री यादविंद्र गोमा ने कहा कि पलम क्षेत्र के लिए निमार्णाधीन 32 करोड़ की पेयजल योजना से सरकार पंचरुखी क्षेत्र के लोगों को पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस योजना का पानी बंडू भरवाना क्षेत्र के लोगों तक पहुंचाया जाएगा। आयुष, युवा सेवाएं तथा खेल मंत्री यादविंद्र गोमा ने यह बात वीरवार को आयोजित आयुष मेले में बतौर मुख्यातिथि कही। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए स्थानीय लोगों को पालमपुर क्षेत्र की योजनाओं पर निर्भर रहना पड़ता था लेकिन अब क्षेत्र को जल्द अपनी पेयजल योजना मिलने जा रही है। इसके अलावा पंचरुखी में अस्पताल भवन भी जुलाई माह तक तैयार करने की बात मंत्री ने कही। इस कार्य के लिए हाल ही में उन्होंने 2 करोड़ रुपए मंजूर करवाए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय सड़क के चौड़ीकरण के लिए 5 करोड़ रुपए नाबार्ड से स्वीकृत हुए हैं। जल्द इस पर भी कार्य शुरू होगा। गोमा ने कहा कि प्रदेश सरकार आयुष पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा जैसी पारंपरिक पद्धतियां न केवल रोगों के उपचार में सहायक हैं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी लोगों को प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में इस तरह के मेले आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे लोगों को अपने नजदीकी क्षेत्रों में ही स्वास्थ्य जांच, परामर्श और उपचार की सुविधा मिल रही है। इन मेलों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया जा रहा है तथा आयुर्वेदिक उपचार पद्धतियों के बारे में विस्तृत जानकारी भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को प्राकृतिक और संतुलित जीवनशैली अपनाकर अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

ईद और नवरात्रि को लेकर तैयारियां तेज, डीसी कठुआ ने विभागों को दिए निर्देश

कठुआ। आगामी ईद और नवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से मनाने के लिए डिप्टी कमिश्नर कठुआ राजेश शर्मा ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, निर्बाध बिजली आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाएं, सफाई व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा, स्ट्रीट लाइट, ट्रैफिक प्रबंधन और परिवहन व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। डिप्टी कमिश्नर ने जल शक्ति विभाग को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने तथा पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट को त्योहारों के दौरान बिना बाधा बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा बाजारों में कालाबाजारी और अधिक कीमत वसूलने पर रोक लगाने के लिए संबंधित विभागों को नियमित मार्केट चेकिंग करने को कहा गया ट्रैफिक विभाग को भी भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं भी रखीं, जिनके समाधान का भरोसा डीसी ने प्राथमिकता के आधार पर दिलाया। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि त्योहारों के दौरान शांति, भाईचारा और आपसी सद्भाव बनाए रखते हुए प्रशासन का सहयोग करें।

जसरोटिया ने 33 लाख रुपये के विकास कार्यों का किया शुभारंभ

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ/जसरोटा

जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया ने ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से ब्लॉक कीढ़ियां गंडियाल के अंतर्गत पंचायत हटली, रसूह और होट में करीब 33 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इन कार्यों में मुख्य रूप से गली-नालियों का निर्माण और दो नए बिजली ट्रांसफार्मरों की स्थापना शामिल है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य गांवों में आंतरिक संपर्क मार्गों को बेहतर बनाना, जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करना और बिजली आपूर्ति को स्थिर करना है। लंबे समय से स्थानीय लोगों द्वारा इन कार्यों की मांग की जा रही थी जिनके शुरू होने से क्षेत्र के निवासियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। ग्रामीणों ने इन विकास कार्यों की शुरूआत पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे बरसात के दौरान जलभराव, खराब आंतरिक सड़कों और अनियमित बिजली आपूर्ति जैसी समस्याओं से काफी हद तक निजात मिलेगी। इस मौके पर विधायक राजीव जसरोटिया ने कहा कि जसरोटा विधानसभा क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है और ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत आधारभूत ढांचा तैयार करना संतुलित विकास के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि हर गांव तक बेहतर सुविधाएं और बुनियादी सेवाएं पहुंचाना उनका मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सही तरीके से बनी गलियां और नालियां न केवल स्वच्छता बनाए रखने में मदद करती हैं बल्कि बरसात के समय लोगों की आवाजाही को भी आसान बनाती हैं। वहीं नए ट्रांसफार्मर लगने से बिजली व्यवस्था पर पड़ने वाला दबाव कम होगा।

शिमला में पेट्रोल, डीजल और गैस की कोई कमी नहीं, लोग अनावश्यक भंडारण न करें: उपायुक्त

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

जिला शिमला में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस की आपूर्ति को लेकर प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि जिले में इन आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं है और नियमित रूप से आपूर्ति जारी है। उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने लोगों से अपील की है कि वे घबराहट में आकर पेट्रोलियम उत्पादों या गैस का अनावश्यक भंडारण न करें, क्योंकि इससे कृत्रिम कमी की स्थिति पैदा हो सकती है। उपायुक्त ने गुरूवार को जिले के सभी उपमंडल दंडाधिकारियों (एसडीएम) के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक कर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की आपूर्ति की समीक्षा की। इस बैठक में तेल विपणन कंपनियों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। बैठक में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों में उपलब्ध स्टॉक और आपूर्ति व्यवस्था पर चर्चा की गई। अनुपम कश्यप ने बताया कि वर्तमान में जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडर, पेट्रोल और हाई स्पीड डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और नियमित रूप से आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को किसी भी तरह की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है और वे सामान्य रूप से ही इन वस्तुओं का उपयोग करें। उपायुक्त ने यह भी बताया कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए तेल विपणन कंपनियों ने एलपीजी आपूर्ति को लेकर कुछ एहतियाती कदम उठाए हैं। फिलहाल होटल, रेस्टोरेंट और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में उपयोग होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर केवल अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को दी जा रही है। अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अस्थायी रूप से आपूर्ति में कुछ प्रतिबंध का सामना करना पड़ सकता है।

मौसम 15 मार्च से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना

हिमाचल प्रदेश में ऊंचे इलाकों में बर्फबारी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

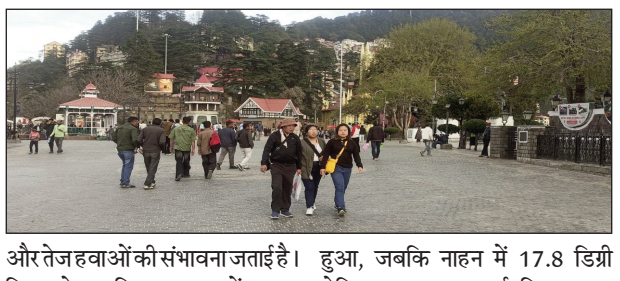

हिमाचल प्रदेश में मौसम ने करवट ली है और ऊंचे पहाड़ी इलाकों में ताजा हिमपात का दौर शुरू हो गया है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चंबा जिलों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रुक-रुक कर बर्फबारी हो रही है। ताजा हिमपात के कारण लाहौल-स्पीति में प्रशासन ने एहतियात के तौर पर मनाली-लेह सड़क को जिस्पा से आगे वाहनों के लिए बंद कर दिया है। प्रशासन का कहना है कि बर्फबारी और फिसलन के कारण सड़क पर आवाजाही फिलहाल सुरक्षित नहीं है।

राजधानी शिमला और आसपास के इलाकों में गुरुवार सुबह से बादल छाए हुए हैं और ठंडी हवाओं के कारण तापमान में हल्की गिरावट महसूस की जा रही है। मौसम विभाग ने राज्य के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई है। विभाग के मुताबिक कुछ स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंधड़ चल सकता है और बिजली कड़कने की भी आशंका है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य के कई शहरों में तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया है। शिमला में अधिकतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग 8 डिग्री अधिक है। सुंदरनगर में तापमान 12.6 डिग्री, भुंतर में 13.0 डिग्री और कल्पा में 7.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। धर्मशाला में 11.5 डिग्री और ऊना में 14.4 डिग्री तापमान दर्ज हुआ, जबकि नाहन में 17.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। कुल्लू जिले के मनाली में तापमान 11.1 डिग्री सेल्सियस रहा। कांगड़ा में 16.2 डिग्री और पालमपुर में 16.0 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। मंडी में 13.3 डिग्री, बिलासपुर में 15.5 डिग्री और सोलन में 11.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। जुब्बड़हट्टी में 15.6 डिग्री, कुफरी में 10.5 डिग्री, कुकुमसेरी में 2.0 डिग्री और ताबो में 4.7 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा कसौली में 17.2 डिग्री, पांवटा साहिब में 17.0 डिग्री, सराहन में 9.0 डिग्री और देहरा गोपीपुर में 16.0 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। राज्य के कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक केलांग में 4 मिलीमीटर, कुकुमसेरी में 1.3 मिलीमीटर, जोत में 1 मिलीमीटर और कांगड़ा में 0.3 मिलीमीटर बारिश हुई है, जबकि पालमपुर और धर्मशाला में हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। मौसम विभाग का कहना है कि 13 मार्च को राज्य में मौसम सामान्य और शुष्क रहने की संभावना है।

हालांकि 13 और 14 मार्च को कुछ क्षेत्रों में लू चलने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद 15 मार्च से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है तथा इसके असर से मौसम फिर बदल सकता है। विभाग के अनुसार 15 और 16 मार्च को राज्य के अलग-अलग स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है और इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

न्योन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।

संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

सिधरावली हादसे में जान गंवाने वाले श्रमिकों के परिजनों को मिली वित्तीय सहायता

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मृतकों के परिजनों को प्रदान किए 20-20 लाख रुपए के चेक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने आज गुरुग्राम में सिधरावली गांव में सिग्नेचर ग्लोबल की निमार्णाधीन साइट पर बीते दिनों हुए हादसे में जान गंवाने वाले सात श्रमिकों के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए 20-20 लाख रुपए के चेक प्रदान किए। साथ ही सभी मृतकों के परिजनों को यात्रा खर्च के लिए 20-20 हजार रुपए की वित्तीय सहायता भी दी। केंद्रीय राज्य मंत्री ने गुरुवार को गुरुग्राम के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाऊस में मृतक श्रमिकों के परिजनों से मुलाकात की और दुःख की घड़ी में ढांढस बंधाया।

केंद्रीय राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने हादसे को लेकर बुधवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से बातचीत की थी। मुख्यमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वाले श्रमिकों के परिजनों की हर प्रकार से सहायता का आश्वासन दिया। साथ ही आश्वस्त किया कि हरियाणा सरकार दुःख की इस घड़ी में पीड़ितों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री से बातचीत के उपरांत वे झारखंड के जमशेदपुर से सांसद श्री विद्युत बरन महतो के साथ बुधवार की देर शाम गुरुग्राम पहुंचे और मृतक श्रमिकों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने हादसे के उपरांत त्वरित कार्रवाई करने व पीड़ित परिवारों की संवेदी भाव से मदद करने के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार भी जताया। इस अवसर पर उपायुक्त गुरुग्राम श्री अजय कुमार तथा सीपी श्री विकास अरोड़ा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि बीती 9 मार्च की शाम गुरुग्राम जिला के गांव सिधरावली में सिग्नेचर ग्लोबल कंपनी की साइट पर मिट्टी खिसकने से सात श्रमिकों नामतः शिवशंकर, परमेश्वर महतो, मंगल महतो, भागीरथ गोपे, संजीव गोपे, धनंजय गोपे निवासी झारखंड तथा सतीश निवासी राजस्थान की मौत हो गई जबकि चार अन्य श्रमिक घायल हुए। केंद्रीय राज्य मंत्री ने मृतकों के परिजनों को हरियाणा सरकार की सहायता व दुर्घटना को लेकर की जा रही कार्रवाई के बारे में भी जानकारी दी। गुरुग्राम के उपायुक्त अजय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि 20-20 लाख रुपए की सहायता के अतिरिक्त मृतकों के परिजनों को हरियाणा सरकार के भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार (बीओसी) कल्याण फंड से 4 लाख रुपए तथा वर्कमैन कंपनसेशन एक्ट के तहत 15 लाख रुपए से अधिक की सहायता भी दी जाएगी। इस प्रकार प्रत्येक परिवार को कुल मिलाकर लगभग 40 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता मिल सकेगी। उन्होंने हादसे के उपरांत जिला प्रशासन व पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। हादसे के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रोजेक्ट मैनेजर दिनेश वीर और स्ट्रक्चर इंजीनियर विकास को गिरफ्तार किया। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इस दौरान श्रम विभाग के कमिश्नर वर्कमैन कंपनसेशन एक्ट अनिल शर्मा, एएलसी कुशल कटारिया, मानेसर के एसडीएम दर्शन यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश में 100 स्वास्थ्य संस्थान बने फर्स्ट रेफरल यूनिट : आरती राव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

- एफआरयू के सुदृढ़ होने से गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध होगा
- पूरे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार होगा

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार ने नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के तहत प्रदेश में द्वितीयक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 100 स्वास्थ्य संस्थाओं को फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) के रूप में नामित किया है। इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि गंभीर मामलों में मरीजों को त्वरित उपचार मिल सके।

उन्होंने बताया कि इन एफआरयू को 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने के लिए विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों पर प्रसूति सेवाएं, नवजात शिशु देखभाल तथा रक्त भंडारण जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे माताओं और नवजात शिशुओं से जुड़ी आपात स्थितियों में तुरंत और प्रभावी चिकित्सा सहायता मिल सकेगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ये फर्स्ट रेफरल यूनिट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और तृतीयक अस्पतालों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करेंगी। सरकार द्वारा इन केंद्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, विशेषज्ञ चिकित्सा स्टाफ की तैनाती करने और रेफरल व्यवस्था को तेज व प्रभावी बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि इस पहल के माध्यम से राज्य सरकार का लक्ष्य हरियाणा में मातृ और नवजात मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाना है। इन एफआरयू के सुदृढ़ होने से गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध होगा, जिससे पूरे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार होगा।

प्रदेश में जिन 100 स्वास्थ्य संस्थानों को फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) के रूप में नामित किया है उनमें अंबाला जिला के 5 संस्थान हैं। इनके अलावा, भिवानी के 4, चरखी दादरी के 2, फरीदाबाद के 5, फतेहाबाद के भी 5, गुरुग्राम के 4, हिसार के 5, झज्जर के 6, जींद के 6, कैथल के 4, करनाल के 6, कुरुक्षेत्र के 5, महेंद्रगढ़ के 4, नूंह के 5, पलवल के 4, पंचकूला के 4, पानीपत के 4, रेवाड़ी के 4, रोहतक के 4, सिरसा के 5, सोनीपत के 5 तथा यमुनानगर जिला के 4 सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को एफआरयू के तौर पर नामित किया गया है।

राजकीय माध्यमिक विद्यालय फोक्सा में स्टेम मेला आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
बराड़ा

राजकीय माध्यमिक विद्यालय फोक्सा में स्टेम मेले का आयोजन किया गया। यह आयोजन स्कूल इंचार्ज संजीव कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस मेले में साइंस मास्टर राजिंदर कुमार के निर्देशन में बाल वैज्ञानिकों ने स्टेम मंच के अंतर्गत विभिन्न चरणों में विभिन्न गतिविधियों का समायोजन किया, जो विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम पर आधारित थीं। इन गतिविधियों ने बच्चों की वैज्ञानिक समझ को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिक निभाई। स्टेम मेले को देखने के लिए एबीआरसी मीनाक्षी शर्मा, एसएमसी प्रधान, एसएमसी सदस्य, बच्चों के माता पिता, और विद्यालय स्टाफ राजेश कुमार, मुकेश कुमार, अवतार सिंह, उपस्थित रहे। मेले में प्रदर्शित नवाचारों और प्रयोगों को सभी ने सराहा तथा इसे ज्ञानवर्धक अनुभव बताया।

कार्यक्रम के अंत में स्कूल इंचार्ज संजीव कुमार ने विद्यालय स्टाफ और प्रतिभागी विद्यार्थियों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

हरियाणा के राज्यपाल ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ मनाया जन्मदिन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने आज अपने जन्मदिन के अवसर पर सेक्टर-15 स्थित रेड क्रॉस वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ अपना जन्मदिन मनाया और उनके साथ खुशी साझा की। इस अवसर पर राज्यपाल की धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित रहीं। राज्यपाल ने वृद्धाश्रम का दौरा किया और वहां रह रहे बुजुर्गों से बातचीत कर उनका कुशलक्षेम जाना। बुजुर्ग भी अपने बीच राज्यपाल को पाकर बेहद प्रसन्न नजर आए। उन्होंने राज्यपाल से केक कटवाया और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने भी सभी 22 बुजुर्गों (13 पुरुष और 9 महिलाएं) को शॉल भेंट कर उनका सम्मान किया।

इससे पहले राज्यपाल ने वृद्धाश्रम में विशेष बच्चों के लिए संचालित फिजियोथेरेपी सेंटर का अवलोकन किया और बच्चों के शारीरिक विकास के लिए चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को आशीर्वाद दिया तथा उन्हें रिफ्रेशमेंट किट वितरित की।

राज्यपाल ने बताया कि अब तक रेड क्रॉस सोसाइटी हरियाणा के पास चार एम्बुलेंस थीं। आज उन्होंने हरियाणा लोक भवन, चंडीगढ़ से दस नई एम्बुलेंसों को हरी झंडी दिखाई है और नौ नई एम्बुलेंस खरीदने के लिए 1 करोड़ रुपये की राशि भी प्रदान की है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के राज्यपाल के रूप में उनका सपना है कि राज्य के प्रत्येक जिले में रेड क्रॉस सोसाइटी के पास कम से कम एक एम्बुलेंस हो, ताकि हरियाणा रेड क्रॉस सोसाइटी जरूरतमंद लोगों को सेवाएं और त्वरित सहायता उपलब्ध कराने में देश में अग्रणी बन सके।

राज्यपाल ने कहा कि ऐसे बुजुर्ग, जिन्हें उनके बेटे-बेटियों और परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा उपेक्षित किया गया है, उन्हें वृद्धाश्रम में रहने की सुविधा प्रदान की जा रही है। प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने कहा कि अपने जन्मदिन के अवसर पर बुजुर्गों के साथ समय बिताने और उनसे बातचीत करने का उन्हें सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर उन्होंने वृद्धाश्रम के बेहतर रखरखाव और आवश्यक सुविधाओं के लिए 5 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा भी की।

उन्होंने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए रेड क्रॉस सोसाइटी की सराहना की। साथ ही उन्होंने कहा कि बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखा जाए और आवश्यकता अनुसार उन्हें सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वे सुखद और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकें।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री डी. के. बेहरा, उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, पुलिस उपायुक्त सृष्टि गुप्ता, एसडीएम श्री चंद्रकांत कटारिया, रेड क्रॉस सोसाइटी हरियाणा ब्रांच के उपाध्यक्ष श्री अंकुश मिगलानी, महासचिव डॉ. सुनील कुमार, संयुक्त सचिव श्री अनिल जोशी तथा जिला रेड क्रॉस सोसाइटी की सचिव श्रीमती सविता अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-समाचार

मुख्यमंत्री सैनी ने प्रकट की शोक संवेदनाएं

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को कैथल पहुंचकर शोक संवेदनाएं प्रकट की। सबसे पहले मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी हैफेड के पूर्व चेयरमैन कैलाश भगत के पिता स्व. अमरनाथ भगत के निधन पर शोक प्रकट करने उनके आवास पर पहुंचें। जहां उन्होंने परिवार से मुलाकात की और अपनी संवेदनाएं प्रकट की। विदित रहे कि अमरनाथ भगत वरिष्ठ भाजपा नेता थे जिनका गत आठ मार्च को निधन हो गया था। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा के आवास पर पहुंचें। जहां उनके पिता स्व. जगत सिंह मलिक के निधन पर शोक जताया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्य संजय चौधरी के घर पहुंचें। जहां उनकी माता स्व. शकुंतला देवी के निधन पर शोक जताया और संवेदनाएं प्रकट की। इस अवसर पर उनके साथ हरियाणा के पंचायत एवं विकास मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

अनिल कुमार दून पिहोवा मेला-2026 के लिए मेला प्रशासक नियुक्त

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने एचसीएस अधिकारी श्री अनिल कुमार दून, जोकि पिहोवा के उपमंडल अधिकारी (नागरिक) हैं, को पिहोवा मेलाझ2026 के लिए मेला प्रशासक नियुक्त किया है। यह मेला 17 मार्च से 19 मार्च, 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

नाबार्ड द्वारा ग्रामीण भारत महोत्सव - प्रदर्शनी एवं बिक्री का आयोजन 22 मार्च तक

चंडीगढ़। नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक) के हरियाणा क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा ह्लग्रामीण भारत महोत्सव झ प्रदर्शनी एवं बिक्रीह्व का आयोजन 13 से 22 मार्च 2026 तक चंडीगढ़ के सेक्टर-34 स्थित एग्जीबिशन ग्राउंड में किया जाएगा। 10 दिवसीय प्रदर्शनी एवं बिक्री महोत्सव में भारत की समृद्ध ग्रामीण विरासत, पारंपरिक शिल्प और हथकरघा उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। प्रदर्शनी प्रातः 10:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक लगाई जाएगी। इस महोत्सव में देश के 20 राज्यों से आए कारीगरों, बुनकरों, स्वयं सहायता समूह (रऌत्र२) की महिलाओं तथा किसानों द्वारा लगभग 40 स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों पर उत्पाद बिक्री के लिए भी उपलब्ध रहेंगे। इस प्रदर्शनी में नागरिकों को विभिन्न प्रकार के ग्रामीण उत्पाद देखने और खरीदने का अवसर मिलेगा। इनमें मधुबनी एवं गोंड पेंटिंग्स, डोकरा कला, बांस एवं बेंत के उत्पाद, फुलकारी, पश्मीना, होम फर्निशिंग और सिल्क वस्त्र जैसे पारंपरिक शिल्प विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके अतिरिक्त जैविक मसाले, अचार और ड्राई फ्रूट्स जैसे उत्पाद भी उपलब्ध होंगें। विभिन्न प्रदेशों के पकवानों की स्टॉल भी लगाई जाएंगी। नाबार्ड के प्रवक्ता ने बताया कि इस महोत्सव में बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचकर ग्रामीण कारीगरों, बुनकरों और महिला उद्यमियों को न केवल प्रोत्साहित करें बल्कि हस्तनिर्मित उत्पादों को खरीदकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अपना योगदान दें।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवेदन आमंत्रित

पंचकूला। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, अंत्योदय हरियाणा द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से रोजगार के नए अवसर सृजित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला कल्याण अधिकारी श्री विशाल ने बताया कि आवेदन करने की इच्छुक महिलाओं के पास मान्य (वैलिड) टू-व्हीलर ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए, जिस पर किसी प्रकार का सस्पेंशन या डिसक्वालिफिकेशन न हो। आवेदिका को 1-2 वर्ष का राइडिंग अनुभव हो। आवेदिका को सोनीपत, करनाल, पंचकूला, गुरुग्राम, फरीदाबाद, अंबाला, सिरसा या रेवाड़ी जिलों में निवास का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

उपायुक्त ने जनगणना-2027 प्रशिक्षण कार्यशाला का किया शुभारंभ

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त एवं मुख्य जिला जनगणना अधिकारी श्री सतपाल शर्मा ने जनगणना-2027 को डिजिटल मोड में सफलतापूर्वक पूरा करवाने के उद्देश्य से आज सैक्टर-1 स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में तहसीलदारों व शहरी निकायों के अधिकारियों की दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने अधिकारियों को गंभीरता से जनगणना-2027 का प्रशिक्षण लेने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पहली बार जनगणना में डिजिटल उपकरणों का उपयोग किया जाएगा इसलिए सभी अधिकारी तकनीकी पहलुओं की जानकारी गंभीरता से लें। उन्होने कहा कि तहसीलदार व नगर निकायों के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में जनगणना कार्य से जुड़े कर्मचारियों को समय रहते प्रशिक्षित करें और यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी डिजिटल

एप्लिकेशन तथा निर्धारित प्रक्रिया से भली-भांति परिचित हो। उन्होने बताया कि जनगणना में पहली बार स्वगणना की शुरूआत भी की जाएगी, आजादी के बाद जनगणना-2027 आठवीं जनगणना होगी। उन्होने बताया कि जनगणना का उल्लेख संविधान में 32 बार किया गया है। सभी अधिकारी गंभीरता से प्रशिक्षण लेकर जनगणना के कार्य को सफलतापूर्वक अपने-अपने क्षेत्रों में पूरा करवाएं। उन्होने बताया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहला चरण मकान सूचिकरण यानि की मकान जनगणना, दूसरा चरण जनसंख्या गणना। उन्होने बताया कि 19 से 21 मार्च तक जिला स्तर पर फील्ड ट्रेनर्स की वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। जिसमें मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा, जबकि 24 मार्च को चार्ज आफिसर की ट्रेनिंग वर्कशॉप आयोजित की जाएगी।

संयुक्त निदेशक जनगणना निदेशालय हरियाणा लक्ष्मण सिंह ने पीपीटी के जरिये जनगणना कार्य से जुड़ी जानकारी विस्तार से सभी को दी। इस अवसर पर नगराधीश एवं अतिरिक्त मुख्य जिला जनगणना अधिकारी जागृति, जिला जनगणना अधिकारी मधु भी उपस्थित रही।

एचसीएस अधिकारियों की एपीआर अब ऑनलाइन दर्ज होगी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

हरियाणा सरकार ने सभी विभागों को हरियाणा सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों की वर्ष 2025झ26 की वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट (पीएआर) राज्य के इंट्रानेट पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में जारी एक पत्र के अनुसार एचसीएस अधिकारियों की पीएआर वेबसाइट पर ऑनलाइन दर्ज की जाएगी और इसे 31 दिसंबर, 2026 तक अंतिम रूप देना अनिवार्य होगा।

सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों, उपायुक्तों तथा बोर्डों और निगमों के प्रमुखों को इन निदेर्शों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। पत्र के अनुसार, अधिकारी एचआरएमएस पोर्टल पर उपलब्ध अपने पेयी कोड और पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से पोर्टल पर लॉगिन कर सकेंगे। सत्यापन के लिए पंजीकृत मोबाइल नंबर पर वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) भेजा जाएगा। इसके अतिरिक्त डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) अथवा स्कैन किए गए हस्ताक्षर अपलोड कर भी प्रमाणीकरण किया जा सकेगा।

अधिकारियों को 31 मई तक अपना स्व-मूल्यांकन प्रस्तुत करना होगा। रिपोर्टिंग प्राधिकारी को 31 जुलाई तक मूल्यांकन पूरा करना होगा। रिव्यूइंग प्राधिकारी को 30 सितंबर तक समीक्षा करनी होगी, जबकि स्वीकार करने वाले प्राधिकारी द्वारा 31 दिसंबर, 2026 तक रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। 40 वर्ष से अधिक आयु के एचसीएस अधिकारियों के लिए स्वास्थ्य जांच अनिवार्य की गई है और स्व-मूल्यांकन के साथ मेडिकल रिपोर्ट का सारांश भी अपलोड करना होगा।

पत्र के अनुसार कार्य निष्पादन का मूल्यांकन 1 से 10 के पैमाने पर संख्यात्मक ग्रेडिंग प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। इसमें कार्य निष्पादन, व्यक्तिगत गुणों तथा कार्यात्मक दक्षताओं को शामिल किया जाएगा। ऑनलाइन प्रणाली में यह व्यवस्था भी की गई है कि यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर संबंधित प्राधिकारी द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है तो रिपोर्ट स्वतः अगले स्तर पर अग्रेषित हो जाएगी, ताकि मूल्यांकन प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके।

स्वच्छता सरकार की जिम्मेदारी के साथ-साथ समाज के हर नागरिक का भी है नैतिक कर्तव्य: गौरव गौतम

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

- पलवल अनाज मंडी में स्वच्छता अभियान को मिली नई गति, खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने 250 कूड़ेदान किए वितरित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रदेश के खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने आज पलवल स्थित अनाज मंडी में आयोजित स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कूड़ेदान वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर लगभग 250 कूड़ेदान वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य बाजार क्षेत्र को स्वच्छ, व्यवस्थित और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है।

खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने अनाज मंडी के दुकानदारों और आढ़तियों को कूड़ेदान वितरित करते हुए उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सरकार की जिम्मेदारी के साथ-साथ समाज के हर नागरिक का भी नैतिक कर्तव्य है। यदि सभी लोग मिलकर अपने आसपास सफाई बनाए रखने का संकल्प लें, तो शहरों और बाजारों को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अनाज मंडी और सब्जी मंडी किसी भी शहर की आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र होती हैं। यहां रोजाना हजारों लोग खरीदारी के लिए आते हैं, इसलिए इन स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे कचरा इधर-उधर फेंकने के बजाय कूड़ेदान में डालें और अपने ग्राहकों को भी स्वच्छता के प्रति प्रेरित करें। खेल राज्य मंत्री ने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार प्रदेश में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

नगर निगम आयुक्त विनय कुमार ने सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के लिए सेक्टर-वार साप्ताहिक निरीक्षण शेड्यूल किया जारी

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- सेक्टर-16, 17, 18 और 8 के निरीक्षण का एडवांस रूट प्लान आरडब्ल्यूए और मार्केट एसोसिएशन के साथ किया सांझा
- निरीक्षण की पूर्व सूचना देने का उद्देश्य पारदर्शिता, जनभागीदारी को बढ़ावा देना और सभी सेक्टरों में बेहतर सफाई व सर्विस डिलीवरी सुनिश्चित करना है: विनय कुमार

पारदर्शिता, गुणवत्ता और बेहतर क्षेत्रीय निगरानी को मजबूत करने की मुहिम को जारी रखते हुए नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार ने आने वाले सप्ताह के लिए निरीक्षण शेड्यूल पहले ही जारी कर दिया है। निरीक्षण शेड्यूल को अग्रिम रूप से जारी करने का उद्देश्य क्षेत्रीय स्टाफ की तैयारी को बेहतर बनाना, नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देना और जमीनी स्तर पर निगम सेवाओं की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करना है। निरीक्षण प्रातः 7:30 बजे से शुरू होंगे और शहर के विभिन्न सेक्टरों व वार्डों में किए जाएंगे। आयुक्त तय रूट प्लान के अनुसार सफाई व्यवस्था, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, कचरा संवेदनशील बिंदुओं, सड़कों की सफाई तथा चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

शेड्यूल के अनुसार 18 मार्च को सेक्टर-16, 19 मार्च को सेक्टर-17, 20 मार्च को सेक्टर-18 और 21 मार्च 2026 को सेक्टर-8 में निरीक्षण किए जाएंगे। सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने और नागरिक प्रशासन में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए रूट प्लान पहले ही संबंधित अधिकारियों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (फहअ) और मार्केट एसोसिएशन के साथ साझा कर दिए गए हैं। इन निरीक्षणों का प्रभाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शेड्यूल में एक दिन पिछले सप्ताह कवर किए गए क्षेत्रों के औचक निरीक्षण के लिए आरक्षित किया गया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पहले के दौरों के

दौरान देखे गए सुधार कायम रहें और क्षेत्रीय टीमें लगातार सफाई और सेवा स्तर बनाए रखें।

यह पहल नागरिक सेवाओं पर निरंतर निगरानी बनाए रखने और निरीक्षण अभियानों के दौरान बनी गति को जमीनी स्तर पर लंबे समय तक कायम रखने के लिए आयुक्त की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। आज प्रातः आयुक्त ने एमडीसी-4, वार्ड नंबर-2 में निरीक्षण किया, जिसमें हाउस नंबर 87 से पीडीएस-410 तक का क्षेत्र कवर किया गया। दौरे के दौरान सफाई व्यवस्था, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और सार्वजनिक स्थानों के रख-रखाव की समीक्षा की गई। आयुक्त ने सफाई कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों से बातचीत की तथा संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र में सफाई के स्तर को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण अभियान में एक सकारात्मक सामाजिक पहलू जोड़ते हुए आसमान फाउंडेशन के बच्चों ने सफाई और जिम्मेदारी से कचरा निपटाने का संदेश देते हुए एक डांस प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति के माध्यम से नागरिकों को कूड़ा न फैलाने और शहर को स्वच्छ रखने में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। आयुक्त श्री विनय कुमार ने कहा कि नगर निगम पंचकूला शहर भर में नागरिक सेवाओं की बेहतर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी, सामुदायिक जुड़ाव और बेहतर क्षेत्रीय पर्यवेक्षण पर निरंतर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

संपादकीय

ईरान युद्ध का असरः भारत में शादियों पर गैस संकट, मेन्यू घटाने को मजबूर परिवार

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान से जुड़े युद्ध के प्रभाव अब भारत के घरेलू जीवन और सामाजिक आयोजनों तक पहुंचने लगे हैं। हजारों किलोमीटर दूर चल रहा यह संघर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था और रोजमर्रा की जिंदगी को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहा है। विशेष रूप से रसोई गैस यानी एलपीजी की आपूर्ति में आई बाधाओं ने होटल उद्योग, रेस्तरां और सबसे अधिक शादी समारोहों को प्रभावित किया है। देश के कई हिस्सों में परिवारों के सामने अब एक कठिन विकल्प खड़ा हो गया है–या तो शादी के लिए गैस सिलेंडर का इंतजाम करें या फिर भोजन के मेन्यू को छोटा करें। भारत में इन दिनों विवाह का पीक सीजन चल रहा है। लाखों परिवार महीनों पहले से तैयारियां करते हैं, बड़ी संख्या में मेहमानों को आमंत्रित किया जाता है और भव्य दावतें आयोजित होती हैं। लेकिन मौजूदा हालात ने इस परंपरा को चुनौती दी है। एलपीजी सिलेंडरों की कमी के कारण कैटरिंग सेवाओं और विवाह आयोजकों को मेन्यू घटाने, कार्यक्रम छोटा करने या वैकल्पिक ईंधन अपनाने जैसे कदम उठाने पड़ रहे हैं। ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुई है। खासकर खाड़ी क्षेत्र और होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले ऊर्जा परिवहन मार्गों में बाधा आने से गैस और तेल की आपूर्ति पर दबाव पड़ा है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है और उसका अधिकांश आयात इसी क्षेत्र से आता है। इसलिए वहां की अस्थिरता का सीधा असर भारतीय बाजार पर दिखाई दे रहा है। ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान के चलते एलपीजी की कीमतों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हाल ही में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में लगभग 60 रुपये और व्यावसायिक सिलेंडर में करीब 115 रुपये की वृद्धि हुई है। इससे होटल, रेस्तरां और कैटरिंग उद्योग की लागत अचानक बढ़ गई है। भारत में शादियों को सामाजिक प्रतिष्ठा और उत्सव का प्रतीक माना जाता है। पारंपरिक तौर पर शादी समारोहों में विस्तृत भोजन व्यवस्था होती है जिसमें कई तरह के व्यंजन परोसे जाते हैं। लेकिन गैस की कमी के कारण अब कई विवाह आयोजकों को सीमित मेन्यू तैयार करना पड़ रहा है। कई शहरों में कैटरर्स का कहना है कि पहले जहां शादी के भोज में 20 से 40 प्रकार के व्यंजन होते थे, अब उन्हें घटाकर 10 से 15 तक करना पड़ रहा है। कुछ जगहों पर आयोजकों ने मेहमानों की संख्या भी कम कर दी है ताकि सीमित संसाधनों में कार्यक्रम आयोजित किया जा सके। रिपोर्टों के अनुसार देश के कई शहरों–जैसे पुणे, पंजाब, चेन्नई और हैदराबाद–में हजारों शादियां इस संकट से प्रभावित हुई हैं। अनुमान है कि 25 हजार से अधिक विवाह समारोहों पर इसका असर पड़ चुका है। गैस की कमी का सबसे बड़ा असर होटल और कैटरिंग उद्योग पर पड़ा है, क्योंकि व्यावसायिक रसोई बड़े पैमाने पर 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भर करती हैं। जब इनकी आपूर्ति बाधित हुई तो कई होटल और विवाह स्थल संचालकों को नए कार्यक्रम स्वीकार करने से पहले गैस की उपलब्धता की शर्त रखनी पड़ी। कुछ स्थानों पर होटल और विवाह भवनों ने कार्यक्रमों की अवधि कम कर दी है, जबकि कई जगह वैकल्पिक ईंधन जैसे लकड़ी, डीजल या इंडक्शन कुकिंग का सहारा लिया जा रहा है। हालांकि बड़े पैमाने पर भोजन तैयार करने के लिए ये विकल्प पर्याप्त नहीं माने जाते। इसके अलावा गैस सिलेंडरों की कमी के कारण ब्लैक मार्केटिंग की शिकायतें भी सामने आई हैं। कई व्यापारियों का आरोप है कि सीमित आपूर्ति के कारण सिलेंडर ऊंचे दामों पर बेचे जा रहे हैं, जिससे लागत और बढ़ रही है। इस संकट ने शादी करने वाले परिवारों को असमंजस में डाल दिया है। कई परिवारों ने कैटरिंग मेन्यू को छोटा करने का फैसला लिया है, जबकि कुछ ने समारोह को साधारण बनाने का विकल्प चुना है। कई आयोजकों का कहना है कि अब परिवार दो विकल्पों पर विचार कर रहे हैं–या तो अतिरिक्त सिलेंडर का इंतजाम कर खर्च बढ़ाएं या फिर भोजन में कटौती कर कार्यक्रम को सीमित रखें। इस स्थिति ने उन परिवारों को विशेष रूप से प्रभावित किया है जो पहले से ही शादी के बढ़ते खर्च से जूझ रहे थे। केंद्र सरकार ने स्थिति को संभालने के लिए कुछ तात्कालिक कदम उठाए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने घरेलू उपयोग के लिए एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। साथ ही सिलेंडर बुकिंग के बीच की अवधि बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है ताकि जमाखोरी और कालाबाजारी को रोका जा सके। इसके अलावा तेल कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि बाजार में गैस की उपलब्धता बढ़ाई जा सके। सरकार का कहना है कि घरेलू उपभोक्ताओं और आवश्यक सेवाओं को गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। एलपीजी संकट केवल शादी समारोहों तक सीमित नहीं है। रेस्तरां, होटल, कैंटीन, मंदिरों और हॉस्टलों की रसोइयों में भी इसका असर देखा जा रहा है। कई स्थानों पर मेन्यू में बदलाव करना पड़ा है और कुछ रेस्तरां को अस्थायी रूप से बंद भी करना पड़ा है। ऊर्जा संकट का यह प्रभाव दशार्ता है कि वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाएं स्थानीय अर्थव्यवस्था को किस तरह प्रभावित कर सकती हैं। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से ऊर्जा कीमतें, परिवहन लागत और खाद्य पदार्थों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। भारत में शादियां केवल पारिवारिक आयोजन नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा हैं। बड़े भोज, मेहमानों की मेजबानी और उत्सव का माहौल भारतीय विवाहों की पहचान रहा है। लेकिन गैस संकट के कारण कई परिवार अब सादगीपूर्ण समारोह की ओर बढ़ने को मजबूर हैं। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति भारतीय समाज में शादी समारोहों की भव्यता पर भी पुनर्विचार करने का अवसर बन सकती है। यदि संकट लंबा खिंचता है तो विवाह आयोजन उद्योग को स्थायी रूप से अधिक किफायती और ऊर्जा-कुशल विकल्प तलाशने पड़ सकते हैं। ईरान से जुड़े युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक राजनीति का असर केवल अंतरराष्ट्रीय मंच तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आम लोगों की जिंदगी तक पहुंच जाता है। भारत में एलपीजी संकट के कारण शादी जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक आयोजन भी प्रभावित हो रहे हैं। जब तक ऊर्जा आपूर्ति की स्थिति सामान्य नहीं होती, तब तक परिवारों, होटल उद्योग और कैटरिंग सेवाओं को सीमित संसाधनों में ही काम चलाना होगा। यह संकट एक बार फिर याद दिलाता है कि वैश्विक ऊर्जा निर्भरता और भू-राजनीतिक तनाव किस तरह हमारे रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर सकते हैं।

हिमालयी राज्यों में कशमल का संरक्षण बड़ी चुनौती

कुलभूषण उपमन्यु (हि.स)

कशमल हिमालय क्षेत्र में पाई जाने वाली एक बहु उपयोगी औषधि है। इसे चंबा में कसैह्बल, संस्कृत में दारू हरिद्रा, गढ़वाल में किन्गोड़ा, हिंदी में दारू हल्दी कहा जाता है। यह झाड़ीनुमा पौधा होता है। इसकी ऊंचाई 7-8 फुट तक होती है। इसकी तीन-चार प्रजातियां हैं, जो निचले से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में उगती हैं। कशमल के फल बच्चे चाव से खाते हैं। जंगली जानवरों बंदर आदि का भी पसंदीदा आहार है। इनकी पत्तियां भेड़- बकरी के लिए पौष्टिक चारा है। इसके फूलों पर मधुमक्खी काम करती है। इसकी जड़ों से रसोंत नामक औषधि बनाई जाती है। इसके अलावा अनेक बीमारियों ते उपचार में इसका उपयोग होता है। इस वजह से औषधि उद्योग में इसकी बहुत मांग रहती है। इसी कारण कशमल का अवैध दोहन बड़े पैमाने पर होता रहता है।

चिपको आन्दोलन के दौर में भटियात क्षेत्र और चंबा के साथ लगते जडेरा क्षेत्र से कशमल संरक्षण के लिए आवाज उठाई गई थी। भटियात के छुआला गांव और धरवाई गांव से करीब एक ट्रक कशमल की जड़ जो अवैध रूप से निकाली गई थी, आन्दोलनकारियों ने जब्त करवाई थी। जडेरा में बहुत बड़े पैमाने पर अवैध रूप से कशमल उखाड़ा गया था, जिसे जनता बैरियर लगा कर रोका गया था और जब्त करवाया गया था। सरकारी जंगल से कशमल उखाड़ने पर रोक लगी थी। आज तक वह रोक तो जारी है किन्तु अवैध धंधे वाले निजी भूमि से परमिट लेकर सरकारी जंगलों से अवैध रूप से उखाड़ कर ले जाते हैं। गत वर्ष चंबा के चुराह और सलूनी तहसील के कुछ जागरूक लोगों द्वारा इसके विरुद्ध आवाज उठाई गई थी। कांगड़ा के बैजनाथ से भी ऐसी खबरें आई थीं। प्रदेश के दूसरे हिस्सों से भी इस तरह की अवैध रूप से कशमल उखाड़ने की खबरें आती रही हैं।

स्थानीय स्तर पर 20-30 रुपये. प्रति किलो खरीद कर आगे कंपनियों को भारी मुनाफे पर व्यापारी लोग बेचते हैं। दवाई बन जाने के बाद तो इसकी कीमत बहुत बढ़ जाती है। थोड़े से लाभ के लिए किसान अपना बहुत बड़ा नुकसान कर लेते हैं। कशमल को बचा कर यदि उस पर भेड़-बकरी पालन और मधुमक्खी पालन किया जाए तो इससे कहीं ज्यादा कमाई किसान कर सकते हैं। इसके अलावा कशमल की जड़ें बहुत गहरी होती हैं जिनको उखाड़ने के लिए 4 से 5 फुट गहरे तक खुदाई करनी पड़ती है जिससे पहाड़ी ढलानें कमजोर हो जाती हैं और बरसात में भूस्खलन का कारण बनती हैं। इसलिए जरूरी है कि कशमल को बचाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। भले ही इसके व्यापारिक दोहन पर सरकारी जंगल से प्रतिबन्ध लगा है किन्तु शातिर ठेकेदार स्थानीय लोगों को बेवकूफ बना कर सांठ-गांठ कर लेते हैं और निजी भूमि से उखाड़ने का परमिट ले लेते हैं, जबकि निजी जमीन में बहुत ही कम मात्र में कशमल उपलब्ध होता है। अतः निजी भूमि के नाम पर असल में दोहन सरकारी जंगलों से होता है।

हैरानी की बात यह है कि जब भी निजी भूमि से कशमल उखाड़ने का परमिट दिया जाता है तो उस भूमि में कितने झाड कशमल के हैं यह क्यों नहीं जांचा जाता। अगर परमिट जारी करने के समय यह जांच हो जाए तो पता लग जाएगा कि कितनी मात्रा में कशमल उपलब्ध हो सकती है। निर्धारित मात्रा से ज्यादा जड़ें मिलने पर ठेकेदारों पर शिकंजा कसा जा सकता है। यह जरूरी सावधानी बरती ही जानी चाहिए। इसके अलावा बहुत से देशों में कशमल की खेती की संभावनाओं को भी विकसित किया जा रहा है। हमारे देश में भी कशमल की खेती आरंभ की जानी चाहिए ताकि जंगल से कशमल को न उखाड़ा जाए और अपने खेतों से इसकी फसल तैयार करने की ओर बढ़ा जा सके। इसमें दस से बीस साल का समय तो लगेगा किन्तु खैर आदि तैयार करने में भी तो इतना ही समय लग जाता है। स्थानीय समुदायों में कशमल के जंगलों के आसपास भेड़-बकरी पालन और मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहन देकर भी स्थानीय लोगों को वैकल्पिक आय उपलब्ध करवाई जा सकती है।

इससे लोगों का स्वार्थ संरक्षण की दिशा में मोड़ा जा सकता है। इसके लिए वन विभाग को भी अपनी मानसिकता बदलनी पड़ेगी। अंग्रेजी शासन काल से इन बहुमूल्य जड़ी-बूटियों को वर्किंग प्लान का हिस्सा नहीं बनाया गया जिस कारण इनको उगाने की व्यवस्था भी पनप नहीं सकी। इन्हें लघु वन उपज माना गया। छोटा -मोटा उखाड़ने का परमिट जारी करने और एक्सपोर्ट परमिट जारी करने के बाद अपने कर्तव्यों की इति श्री मान ली गई। अभी कुछ हद तक चिंता की जाने लगी है किन्तु चाक चौबंद व्यवस्था कब खड़ी होगी कोई नहीं जानता। हर बरसात में बाढ़ और भूस्खलन की चपेट में आ रहे हिमाचल प्रदेश में सरकार से यह उम्मीद की जाती है कि वह कशमल और अन्य भूस्खलन रोकने वाली जड़ी-बूटियों और झाड़ियों के संरक्षण के लिए सख्त कदम उठाने का कार्य करे।

(लेखक, हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष और पर्यावरणविद् हैं।)

निवारक स्वास्थ्य देखभाल में अग्रणी भूमिका निभा रहा है योग

प्रतापराव जाधव

बीते दशक में योग को केवल पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति के रूप में ही नहीं सराहा गया, बल्कि उसे उत्तरोत्तर रूप से स्वास्थ्य और कल्याण के लिए साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण के रूप में भी पहचाना जाने लगा है। वैज्ञानिक अनुसंधान, डिजिटल नवाचार और वैश्विक सहयोग अब हमें योग को केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत ही नहीं, बल्कि एक सशक्त जन-स्वास्थ्य हस्तक्षेप समझने में भी मदद कर रहे हैं।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) को पारंपरिक चिकित्सा (योग) के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोगी केंद्र के रूप में नामित किया गया है और योग अनुसंधान में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका और भी मजबूती प्रदान करते हुए वर्ष 2025-2029 के लिए इसे फिर से निमित किया गया है। यह पहचान गैर-संचारी रोग (एनसीडी) के लिए साक्ष्य-आधारित योग हस्तक्षेपों को बढ़ावा देने में संस्थान की बढ़ती भूमिका को दिखाती है। इस पहल के प्रमुख साझेदारों में आयुष मंत्रालय, एम्स दिल्ली, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, और इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज, दिल्ली शामिल हैं।

इन सहयोगों के माध्यम से केंद्र मधुमेह, मोटापा और तनाव से संबंधित विकारों जैसे गैर-संचारी रोगों के लिए योग-आधारित हस्तक्षेपों पर तकनीकी दिशानिर्देश विकसित कर रहा है और अनुसंधान को आगे बढ़ा रहा है। इन प्रयासों में अंतरराष्ट्रीय संगठन भी साझेदारी कर रहे हैं, जिससे योग की वैज्ञानिक आधारशिला और मजबूत हो रही है तथा निवारक स्वास्थ्य देखभाल के लिए व्यापक रूप से लागू किए जा सकने वाले, किफायती और साक्ष्य-समर्थित प्रभावी साधन के तौर पर योग की क्षमता प्रदर्शित हो रही है।

संस्थागत स्तर पर एमडीएनआईवाई योग की वैज्ञानिक आधारशिला को मजबूती प्रदान करना जारी रखे हुए है। शरीर क्रिया विज्ञान, जैव रसायन, बायोमैकेनिक्स और मनोविज्ञान की अनुसंधान प्रयोगशालाओं के माध्यम से यह संस्थान योग के मनो-शारीरिक और जैव-रासायनिक प्रभावों, उम्र बढ़ने में इसकी भूमिका तथा जीवनशैली से जुड़े विकारों पर इसके प्रभाव का अध्ययन करता है। यह कार्य पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ जोड़ने की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है

डिजिटल प्लेटफॉर्मों ने योग की पहुँच को और अधिक बढ़ाया है, जिससे साक्ष्य-आधारित पद्धतियाँ सीधे लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन रही हैं। m-Yoga मोबाइल एप्लिकेशन और Y-Break प्रोटोकॉल जैसे प्रयास यह दिखाते हैं कि योग की प्रामाणिकता और चिकित्सकीय महत्व बनाए रखते हुए उसे बड़े स्तर पर पहुँचाया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से विकसित किए गए m-Yoga प्लेटफॉर्म पर 1.1 लाख से अधिक डाउनलोड दर्ज किए जा चुके हैं, जो सुलभ डिजिटल वेलनेस टूल्स में बढ़ती रुचि को दशार्ता है। वहीं कार्यस्थल योग कार्यक्रम Y-Break – जो काम के दौरान 5-10 मिनट का सरल योग ब्रेक है – से अब तक 33 लाख से अधिक सरकारी अधिकारियों को लाभ मिल चुका है।

इन पहलों से प्राप्त अनुसंधान निष्कर्ष और सहभागिता विश्लेषण अत्यंत उत्साहजनक हैं। Y Break अभ्यास से कुछ ही सप्ताहों में अनुभूत तनाव में लगभग 40 प्रतिशत तक कमी देखी गई है। अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि इससे मानसिक सतर्कता, भावनात्मक दृढ़ता और निर्णय-क्षमता में सुधार होता है। इसके साथ-साथ कॉर्टिसोल स्तर जैसे शारीरिक संकेतकों में भी सकारात्मक परिवर्तन पाए गए हैं।

शारीरिक लाभों में गर्दन, कंधे और कमर के दर्द में कमी, श्वास अभ्यास से सांस लेने की क्षमता में सुधार और संपूर्ण जीवन शक्ति में वृद्धि शामिल हैं–ये परिणाम विशेषकर आज के निष्क्रिय, स्क्रीन-आधारित कार्यस्थलों में प्रासंगिक हैं। Y-Break अभ्यास ने अनुपस्थिति में कमी लाने , कर्मचारियों के मनोबल में सुधार लाने, और कार्य-जीवन में स्वस्थ संतुलन कायम करने में भी योगदान दिया है, जो व्यक्तिगत और संगठनात्मक कल्याण दोनों को मजबूत बनाने की योग की क्षमता को दशार्ता है।

एमडीएनआईवाई और केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा सम्मेलन-2026 के दौरान भी वैज्ञानिक प्रमाण के महत्व पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने यह रेखांकित किया कि सुदृढ़ अनुसंधान, अंतरविषयक सहयोग, और प्रभावी डिजिटल सहभागिता आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में योग को एकीकृत करने और स्पष्ट स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य हैं।

ये घटनाक्रम योग के प्रति वैश्विक दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण बदलाव को दशार्ते हैं। अब इसे केवल व्यक्तिगत कल्याण के अभ्यास के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि यह उत्तरोत्तर रूप से जन-स्वास्थ्य, कौशल विकास और वेलनेस आधारित रोजगार के अवसरों के एक मार्ग के रूप में उभर रहा है। योग परंपरा को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ते हुए ग्लोबल योग क्रांति की प्रेरक शक्ति के रूप में उभर रहा है तथा अंतरराष्ट्रीय वेलनेस क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को और मजबूत कर रहा है।

जैसे-जैसे हम 13 मार्च के करीब पहुँच रहे हैं, जो 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 100-दिन के काउंटडाउन का संकेत है, यह हमें इस बारे में सोचने का अवसर देता है कि किस प्रकार योग एक प्राचीन पद्धति से लेकर वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त, साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य और कल्याण मार्ग के रूप में विकसित हो गया है। ये सौ दिन हमें याद दिलाएं कि हम दैनिक योग अभ्यास शुरू करें या उसे नवीनीकृत करें, और अपने परिवार, मित्रों और समुदायों को योग को जीवन जीने का तरीका बनाने के लिए प्रेरित करें।

योग को दैनिक जीवन में शामिल करके, हम केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को ही मजबूत नहीं करते, बल्कि सामूहिक कल्याण, संगठनात्मक दक्षता और सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देते हैं। आज, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से, भारत योग की अनंत ज्ञान परंपरा को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित और सार्वभौमिक रूप से सुलभ मार्ग में बदलने का अगला निर्णायक कदम उठा रहा है, जो वैश्विक स्वास्थ्य, संतुलन और कल्याण के लिए मार्गदर्शक बन सकेगा।

आज का राशिफल

मेषः आज आपको आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है, खासकर यदि आप किसी से ऋण लेने की योजना बना रहे हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन उत्साहजनक और उपलब्धियों से भरा रह सकता है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः कार्यक्षेत्र में किसी सहकर्मी या परिचित व्यक्ति के साथ बहस की स्थिति बन सकती है, जिससे मानसिक तनाव महसूस हो सकता है। ऐसे में धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। कोई बड़ा निर्णय लेने से पहले भरोसेमंद मित्रों या सलाहकारों से राय लेना आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः आज कार्यस्थल पर सकारात्मक माहौल देखने को मिलेगा और आपके प्रयासों की सराहना भी हो सकती है। नया वाहन खरीदने या किसी बड़ी वस्तु में निवेश करने का विचार मन में आ सकता है। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के अनुभव से आपको महत्वपूर्ण सीख मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः आप आज अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाने की कोशिश करेंगे। निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी, जिससे कई उलझे हुए काम सुलझ सकते हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः सरकारी सेवा या प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। परिवार में विशेषकर संतान के व्यवहार से मन दुखी हो सकता है। कुछ बनते हुए कार्यों में बाधा आने की संभावना है, इसलिए धैर्य और संयम बनाए रखें। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा का दबाव महसूस हो सकता है, जिससे आपको अपनी क्षमता साबित करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। परिवार के किसी सदस्य की जरूरतों पर धन खर्च करना पड़ सकता है। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः आज आपकी सोच और विचारों का प्रभाव लोगों पर पड़ेगा। व्यापार या व्यवसाय से होने वाली आय में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। छोटे भाई-बहनों के साथ संबंध मधुर रहेंगे और उन्हें कोई उपहार भी दे सकते हैं। आप अपने लक्ष्य को समय से पहले हासिल करने में सफल हो सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः आज घर के वातावरण में मन कम लग सकता है और कुछ लोग अपनी गलतियों का दोष आप पर डालने की कोशिश कर सकते हैं। सामाजिक क्षेत्र में आपकी प्रतिभा और गुणों की चर्चा हो सकती है। ससुराल पक्ष के साथ किसी मुद्दे पर मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

धनुः व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए नए तरीकों और रणनीतियों को अपनाना फायदेमंद साबित हो सकता है। हालांकि कई काम आपको अपने दम पर ही पूरे करने पड़ सकते हैं। व्यापार में सुधार होने से पुराने कर्ज से राहत मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

मकरः नौकरीपेशा लोगों के लिए आज नए अवसर सामने आ सकते हैं। नींद की कमी के कारण सिरदर्द या थकान महसूस हो सकती है, इसलिए आराम पर ध्यान दें। व्यापारियों को किसी नई डील या निवेश से पहले पूरी जांच-पड़ताल करनी चाहिए। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः संतान की उपलब्धियां आपको गर्व और खुशी का अनुभव करा सकती हैं। मित्र आपके मुश्किल समय में साथ देंगे और समस्याओं को हल करने में मदद करेंगे। साहित्य, लेखन या कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान और आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

मीनः आज आप किसी नए प्रोजेक्ट या निवेश की शुरूआत करने का निर्णय ले सकते हैं। व्यवसाय से जुड़े अनुबंध समय पर पूरे करने में सफल रहेंगे। दांपत्य जीवन में सामंजस्य और प्रेम बढ़ेगा। अपने व्यवहार में विनम्रता बनाए रखना आपके लिए लाभकारी रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

प्रहलाद सबनानी (हि.स)

अमेरिका में 20 जनवरी, 2025 को डोनाल्ड ट्रम्प के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद वैश्विक आर्थिक और व्यापारिक व्यवस्था में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिले। ट्रम्प ने 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के नारे के साथ अमेरिकी उद्योग और विनिर्माण को पुनर्जीवित करने की नीति अपनाई। इसी उद्देश्य से उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर भारी टैरिफ लगाने की रणनीति अपनाई। उनका मानना था कि यदि विदेशी उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाया जाएगा तो बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अमेरिका में ही उत्पादन शुरू करेंगी और इससे अमेरिकी उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

यह नीति अत्यंत आक्रामक रूप से लागू की गई, जिसके कारण वैश्विक व्यापार वातावरण में अस्थिरता और अनिश्चितता पैदा हो गई। विशेष रूप से चीन जैसे देशों से आने वाले उत्पादों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की घोषणा ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत को हिला दिया। इसके अलावा अन्य देशों को भी ऐसे कदमों की चेतावनी दी गई, जिससे वैश्विक आर्थिक संबंधों में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। भारत भी इस नीति से अछूता नहीं रहा। अमेरिका ने भारत से आयातित कई उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया। इसके अतिरिक्त 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ इस आधार पर लगाया गया कि भारत रूस से कच्चे तेल का आयात करता है और उसे प्रसंस्कृत कर यूरोपीय देशों को पेट्रोल और डीजल के रूप में निर्यात करता है।

अमेरिकी प्रशासन का तर्क था कि भारत द्वारा रूस से तेल खरीदना अप्रत्यक्ष रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध को आर्थिक समर्थन देना है। परिणामस्वरूप 27 अगस्त 2025 से भारत के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लागू कर दिया गया। इस निर्णय का भारत की अर्थव्यवस्था पर तत्काल प्रभाव पड़ा। भारतीय पूंजी बाजार में अस्थिरता बढ़ गई और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से अपना निवेश निकालना शुरू कर दिया। इससे शेयर बाजार में गिरावट आई और विदेशी मुद्रा प्रवाह पर भी दबाव बढ़ा। चूँकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है और भारत के निर्यात में उसकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है, इसलिए यह कदम भारत के विदेशी व्यापार के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया।

ट्रम्प प्रशासन की नीतियाँ केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उनमें साम्राज्यवादी सोच के संकेत भी दिखाई दिए। उदाहरण के तौर पर वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में मुकदमा चलाने की घटना ने वैश्विक राजनीति में नई बहस छेड़ दी। अमेरिका की नजर वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार पर मानी जा रही है। इसके अलावा डेनमार्क के अधीन ग्रीनलैंड द्वीप पर भी अमेरिका ने अपना प्रभाव स्थापित करने की इच्छा जताई। इसी प्रकार मेक्सिको, क्यूबा और ईरान जैसे देशों को भी विभिन्न प्रकार की चेतावनियाँ दी गईं। इन घटनाओं ने वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और आर्थिक संबंधों में तनाव की स्थिति पैदा कर दी।

भारत और अमेरिका के संबंधों पर भी इसका प्रभाव पड़ा, लेकिन भारत ने इस चुनौती का सामना करने के लिए त्वरित और व्यावहारिक रणनीति अपनाई। सरकार ने वैकल्पिक बाजारों की तलाश शुरू की और कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने की दिशा में तेजी से कदम उठाए। भारत ने विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो अमेरिका को निर्यात पर अधिक निर्भर थे, जैसे वस्त्र एवं परिधान, जेम्स एवं ज्वेलरी, समुद्री उत्पाद, खिलौना उद्योग और चमड़ा उद्योग। ये सभी श्रम आधारित उद्योग हैं और इनमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है। यदि इन क्षेत्रों के निर्यात पर बड़ा झटका लगता तो देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर रूप ले सकती थी। इसलिए भारत ने रूस, चीन, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों सहित कई नए बाजारों में इन उत्पादों का निर्यात बढ़ाने का प्रयास किया।

वर्ष 2025 में भारत ने वैश्विक व्यापार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने की दिशा में सक्रिय प्रयास किए। वर्ष के अंत तक भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण समझौते किए। इसके साथ ही अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भी व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि नवंबर और दिसंबर 2025 के दौरान भारत के निर्यात में वृद्धि दर बनाए रखने में सफलता मिली, जबकि सितंबर और अक्टूबर के महीनों में अमेरिकी बाजार में टैरिफ के कारण कुछ गिरावट देखी गई थी।

भारत की व्यापारिक रणनीति का सबसे बड़ा कदम 27 जनवरी 2026 को सामने आया, जब भारत और यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देशों के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता संपन्न हुआ। लगभग 18 वर्षों की लंबी वाताओं के बाद यह समझौता संभव हो पाया। इसकी व्यापकता और महत्व को देखते हुए इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है। इस समझौते से भारत के निर्यात को एक विशाल और स्थिर बाजार मिलने की संभावना है। इसके अतिरिक्त कनाडा के राष्ट्रपति के मार्च 2026 में भारत आने की संभावना भी जताई जा रही है, जिसके दौरान कुछ क्षेत्रों में मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा सकता है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौतों से विश्व समुदाय में सकारात्मक संदेश गया है। भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के साथ वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रहा है। इन समझौतों से संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि व्यापार में वृद्धि से आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई देशों का भारत के प्रति दृष्टिकोण भी सकारात्मक हुआ है और वे भारत को एक विश्वसनीय और उभरती हुई आर्थिक शक्ति के रूप में देखने लगे हैं।

हालांकि इन सकारात्मक पहलुओं के बावजूद भारत के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण समस्या भारतीय रुपये का अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होना है। हाल के समय में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत 92 रुपये से अधिक हो गई है और वर्ष 2025 में रुपये का लगभग 5 से 6 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है। इसका मुख्य कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय पूंजी बाजार से निवेश निकालना है, जिससे डॉलर का बाहरी प्रवाह बढ़ गया है। इस समस्या से निपटने के लिए भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ाने और निर्यात को प्रोत्साहित करने की नीति अपना रहा है। यदि भारत निर्यात और विदेशी निवेश दोनों क्षेत्रों में वृद्धि करने में सफल होता है तो विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होगा और रुपये पर दबाव कम किया जा सकेगा।

समग्र रूप से देखा जाए तो ट्रम्प प्रशासन की आक्रामक व्यापारिक नीतियों ने वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में अस्थिरता पैदा की है, लेकिन भारत ने इन चुनौतियों का सामना व्यावहारिक और संतुलित रणनीति से करने का प्रयास किया है। आत्मनिर्भरता, मुक्त व्यापार समझौतों का विस्तार, नए बाजारों की खोज और युवा शक्ति का विकास भारत की प्रमुख रणनीतियाँ हैं। यदि भारत इन क्षेत्रों में निरंतर प्रगति करता है तो वह न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकेगा बल्कि वैश्विक स्तर पर स्थिरता और सहयोग का एक महत्वपूर्ण केंद्र भी बन सकता है।

(लेखक, आर्थिक मामलों के विश्लेषक एवं स्तम्भकार हैं।)

प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 व्यापक संभावनाओं के साथ आज से मोहाली में आयोजित किया जाएगा: संजीव अरोड़ा

अरविंद केजरीवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान आज सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे: संजीव अरोड़ा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन, बिजली तथा स्थानीय निकायों से संबंधित कैबिनेट मंत्री संजिव अरोड़ा ने आज घोषणा की कि प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 13 से 15 मार्च तक प्लाक्षा यूनिवर्सिटी, एसएएस नगर (मोहाली) में आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन पंजाब को निवेश और नवाचार के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन भारत और विश्व भर के निवेशकों, उद्योगपतियों और नीति निमार्ताओं को पंजाब में उपलब्ध व्यापक निवेश अवसरों को प्रदर्शित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए श्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि इस सम्मेलन में कुल 89 सत्र आयोजित किए जाएंगे और यह राज्य में अब तक आयोजित सबसे व्यापक निवेश कार्यक्रमों में से एक होगा।

उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में यूनाइटेड किंगडम, जापान और दक्षिण कोरिया पर केंद्रित विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही एक समर्पित एमएसएमई सत्र भी आयोजित होगा। सेक्टोरल इंडस्ट्री कमेटियों की बैठकों के अलावा उभरते हुए आईटी हब के रूप में मोहाली की भूमिका, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से संबंधित विशेष सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

सम्मेलन के दौरान एक औद्योगिक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें पंजाब के उद्योगों द्वारा तैयार उत्पादों और नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके माध्यम से राज्य की विनिर्माण क्षमता और उद्यमशीलता की भावना को उजागर किया जाएगा।

श्री अरोड़ा ने बताया कि अरविंद केजरीवाल इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान कल सुबह 10:30 बजे सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन सत्र सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक चलेगा। इसके बाद दोपहर का भोजन तथा विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम का समापन समारोह 15 मार्च को आयोजित किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुनिया भर से प्रतिनिधि और निवेशक पहुंच रहे हैं। हालांकि मध्य पूर्व के कुछ प्रतिभागी उड़ानों में व्यवधान के कारण यात्रा नहीं कर सके हैं, फिर भी आमंत्रित किए गए अधिकांश अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के सम्मेलन में शामिल होने की उम्मीद है।

उन्होंने आगे कहा कि यह कार्यक्रम नई औद्योगिक और व्यापार विकास नीति के लॉन्च के बाद पंजाब की अपार संभावनाओं को उजागर करेगा, जिसका देश भर के उद्योगपतियों द्वारा व्यापक स्वागत किया गया है। उन्होंने कहा कि उद्यमी पंजाब सरकार द्वारा प्रस्तुत निवेशक-अनुकूल नीतिगत ढांचे की सराहना कर रहे हैं।

श्री अरोड़ा ने कहा कि इस सम्मेलन के माध्यम से सरकार चाहती है कि उद्योग जगत के बड़े प्रतिनिधि आपस में तालमेल स्थापित करें और भविष्य में निवेश के लिए पंजाब द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे व्यापक अवसरों से अवगत हों।

उन्होंने कहा कि मोहाली तेजी से एक प्रमुख आईटी और नवाचार केंद्र के रूप में उभर रहा है, जिसे मजबूत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे का समर्थन प्राप्त है।

सतत विकास के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करते हुए पर्यावरण-अनुकूल औद्योगिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है।

राज्य की अर्थव्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए संजिव अरोड़ा ने कहा कि पंजाब लगातार निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य बनकर उभर रहा है और राज्य ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में अपनी स्थिति को और मजबूत किया है।

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के सचिव गुरकीरत किरपाल सिंह, इनवेस्ट पंजाब के सीईओ अमित ढाका तथा पंजाब विकास आयोग की वाईस चेयरमैन सीमा बंसल भी उपस्थित थीं।

कांग्रेस विधायक द्वारा स्पीकर, मंत्रियों और आप विधायकों को बंधुआ मजदूर कहना संविधान और जनादेश का अपमान: हरपाल सिंह चीमा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा ने आज बड़े बहुमत से कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन (ब्रीच ऑफ प्रिविलेज) का मामला प्रिविलेज कमेटी को सौंपने के लिए प्रस्ताव पारित किया। कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा द्वारा पेश किए गए इस प्रस्ताव में विधायक के हालिया अपमानजनक बयानों और गैर-संसदीय व्यवहार का उल्लेख किया गया है, जिसे सदन ने अपने निर्वाचित सदस्यों, संविधान और जनता का सीधा अपमान माना।

प्रस्ताव की पृष्ठभूमि के बारे में बताते हुए कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग विधायक सुखपाल सिंह खैहरा द्वारा 10 मार्च 2026 को की गई सोशल मीडिया पोस्टों से उठी है। इन सार्वजनिक बयानों में उन्होंने स्पीकर, कैबिनेट मंत्रियों और आम आदमी पार्टी के विधायकों को बंधुआ मजदूर कहा था।

सदन में प्रस्ताव पेश करते हुए उन्होंने कहा, ऐसी शब्दावली संवैधानिक रूप से चुने हुए प्रतिनिधियों की गरिमा को ठेस पहुंचाती है और लोगों द्वारा दिए गए जनादेश का अपमान करती है। यह मामला 11 मार्च 2026 को और गंभीर हो गया जब विधायक सुखपाल सिंह खैहरा को सदन में अपने बयानों पर स्पष्टीकरण देने और माफी मांगने का अवसर दिया गया, लेकिन उन्होंने अपने शब्द वापस लेने से साफ इनकार कर दिया। प्रस्ताव में यह भी उल्लेख किया गया कि 11 मार्च को विपक्ष के वॉकआउट के दौरान सदन से बाहर जाते समय सुखपाल सिंह खैहरा द्वारा किए गए बेहद आपत्तिजनक इशारों की कड़ी निंदा की गई।

इस व्यवहार को विधानसभा की मर्यादा के विपरीत बताते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आगे कहा, इन इशारों में संसदीय मर्यादा की पूरी तरह कमी थी और इन कार्रवाइयों को सुखपाल सिंह खैहरा के साथ मौजूद कांग्रेस विधायकों ने भी देखा। कुछ विधायक सोशल मीडिया पर ध्यान आकर्षित करने, मनोरंजन पैदा करने और संभवतः अपनी व्यूअरशिप से पैसा कमाने के लिए ऐसी शब्दावली और ड्रामेबाजी का इस्तेमाल कर संविधान की ली गई शपथ से समझौता कर रहे हो सकते हैं।

सदन की गरिमा की रक्षा के लिए कार्रवाई की मांग करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, पेशेवर सीमाओं को दृढ़ता से स्थापित करने और विधानसभा की पवित्रता को बनाए रखने के लिए, मैं सदन से अपील करता हूं कि इस मामले की व्यापक जांच की जिम्मेदारी प्रिविलेज कमेटी को सौंपने का प्रस्ताव पारित किया जाए।

सेक्टर-70 में लोगों से मिले पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू, समस्याएँ सुनकर जल्द समाधान का दिया भरोसा

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

सीनियर कांग्रेसी नेता एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने मोहाली के सेक्टर-70 के निवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएँ ध्यानपूर्वक सुनीं और उन्हें जल्द समाधान कराने का भरोसा दिया। सिद्धू ने लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी जायज मांगों को तुरंत संबंधित विभागों तक पहुँचाकर जल्द से जल्द हल करवाया जाएगा।

इस दौरान सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध रही है और भविष्य में भी जनता की आवाज बनकर काम करती रहेगी।

सिद्धू ने कहा कि इलाके के लोगों ने बड़ी उम्मीदों के साथ आम आदमी पार्टी को मौका दिया था, लेकिन अफसोस की बात है कि मौजूदा विधायक कुलवंत सिंह लोगों की बुनियादी समस्याओं की ओर पूरा ध्यान नहीं दे रहे हैं। इलाके में सड़कों की खराब हालत, गंदे पानी की समस्या और कई अन्य मुद्दे लंबे समय से जस के तस बने हुए हैं, लेकिन इनके समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के बड़े-बड़े वादे केवल कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। लोगों को उम्मीद थी कि नई सरकार के साथ विकास की रफ्तार तेज होगी, लेकिन हकीकत में लोग आज भी अपनी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा लोगों की आवाज बनकर उनके अधिकारों के लिए लड़ती रही है और आगे भी हर मंच पर लोगों के हितों की रक्षा के लिए आवाज उठाती रहेगी।

सिद्धू ने यह भी कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान आम आदमी पार्टी की सरकार मोहाली के विकास के लिए कोई बड़ा काम करने में असफल रही है। लोगों को उम्मीद थी कि नई सरकार इलाके के विकास को नई दिशा देगी, लेकिन अफसोस की बात है कि जमीन पर कोई बड़ा बदलाव दिखाई नहीं दे रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय मोहाली में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य हुए थे, जिनमें मेडिकल कॉलेज लाना एक बड़ी उपलब्धि थी। कांग्रेस ने हमेशा मोहाली के समग्र विकास के लिए काम किया है और आगे भी लोगों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस पार्टी का मूल उद्देश्य लोगों की सेवा करना और समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए काम करना है। इस मौके पर मोहाली के मेयर अमरजीत सिंह जीती सिद्धू, सीनियर डिप्टी मेयर अमरीक सिंह सोमल भी मौजूद थे।

जैतो के पास एस.एस.पी. फरीदकोट डॉ. प्रज्ञा जैन की अगुवाई में 5.37 किलो हैरोइन समेत भारी मात्रा में ड्रग्स पदार्थ नष्ट किए गए

जैतो। श्री गौरव यादव आई.पी.एस. डी.आई.जी. पंजाब के दिशा-निर्देशों पर ड्रग्स के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत फरीदकोट की एस.एस.पी. डॉ. प्रज्ञा जैन की देखरेख में गुरुवार को सेल लिमिटेड पावर प्लॉट सेडा सिंह वाला में डिस्ट्रिक्ट लेवल ड्रग डिस्पोजल कमेटी के सदस्यों ने 5.37 किलो से ज्यादा हैरोइन, 01 क्विंटल 78 किलो पोस्त, 8650 नशीली गोलियां/कैप्सूल, 202 ग्राम आइस ड्रग और 01 किलो से ज्यादा गांजा नष्ट किया। एस.एस.पी. फरीदकोट डॉ. प्रज्ञा जैन ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ड्रग्स की यह भारी मात्रा, जो 66 एन.डी.पी.एस. मामलों से जुड़ी है, आज पूरी पारदर्शिता के साथ नष्ट की गई है। उन्होंने कहा कि फरीदकोट पुलिस ड्रग्स को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार कमिटमेंट के साथ काम कर रही है। जिसके तहत फरीदकोट पुलिस ने पिछले कुछ सालों में एन.डी.पी.एस.एक्ट के तहत बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त किए हैं। जिसमें आज बरामद ड्रग्स को नष्ट कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा ड्रग्स के खिलाफ शुरू की गई मुहिम 'ड्रग्स के खिलाफ जंग' में पूरी तरह से असरदार साबित हुई है, जिसके दौरान मार्च 2025 से अब तक फरीदकोट पुलिस द्वारा 1089 केस दर्ज किए गए हैं और 1652 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही पिछले 19 महीनों के दौरान संबंधित अथॉरिटी से मंजूरी मिलने के बाद ड्रग तस्करों की 09 करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी फ्रीज की गई है। इस दौरान डा. प्रज्ञा जैन ने जनता से अपील की कि वे ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें और ड्रग तस्करों या सप्लायरों के बारे में जानकारी शेयर करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा जारी सेफ पंजाब एंटी-ड्रग हेल्पलाइन नंबर 97791-00200 का इस्तेमाल करें, आपकी पहचान पूरी तरह से गोपनीय रखी जाएगी।

मोदी की विदेश नीति ने भारत को बर्बाद किया: हरचंद सिंह बरसट

- देश में हाहाकार, गैस संकट का होटल/रेस्टोरेंट्स पर पड़ रहा सीधा असर
- आप के राज्य महासचिव ने कहा- नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी, पंजाब के राज्य महासचिव और पंजाब मंडी बोर्ड के चेयरमैन स. हरचंद सिंह बरसट ने केंद्र की मोदी सरकार की विदेश नीति पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एकतरफा विदेश नीति के कारण आज देश को गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश में एलपीजी को लेकर जो हाहाकार मचा हुआ है, वह केंद्र सरकार की गलत नीतियों का परिणाम है।

स. बरसट ने कहा कि भारत पिछले 75 सालों से गुट निरलेप विदेश नीति अपनाता रहा। भारत कभी भी किसी एक पक्ष के साथ नहीं खड़ा हुआ, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में मध्यस्थ भूमिका निभाकर फैसले करवाता रहा है, लेकिन वर्तमान समय में ईरान-इजराइल युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से खुले तौर पर इजराइल व अमेरिका का साथ देने के कारण

ईरान के साथ भारत के संबंध प्रभावित हुए हैं, जिसका परिणाम अब देश को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में आने वाली एलपीजी और तेल का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा हॉर्मुज जल डमरू मार्ग के माध्यम से आता है, जिस पर ईरान का नियंत्रण है और अब ईरान केवल उन देशों के जहाजों को ही वहां से गुजरने दे रहा है, जो गुट निरलेप हैं या उसके साथ खड़े हैं। ईरान के नाराज होने के कारण यह सप्लाई चेन टूट गई है, जिसके कारण पूरे भारत में हाहाकार मचा हुआ है।

इस संकट का सीधा असर होटल/रेस्टोरेंट उद्योग पर पड़ रहा है। मुंबई के लगभग 20 प्रतिशत होटल/रेस्टोरेंट बंद हो चुके हैं, जबकि आने वाले दिनों में 30 से 40 प्रतिशत ओर होटल/रेस्टोरेंट बंद होने की संभावना है। इसके कारण लगभग एक करोड़ लोगों के बेरोजगार होने की संभावना है, जो भारत की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से होटल/रेस्टोरेंट्स को एलपीजी सिलेंडर मुहैया कराने से मना कर दिया गया है, जिसका सीधा असर आम लोगों, होटल/रेस्टोरेंट कारोबारियों, वहां काम करने वाले लोगों और ग्राहकों पर पड़ रहा है।

स. हरचंद सिंह बरसट ने कहा कि भारत की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह जवाब मांगती है कि एकतरफा विदेश नीति बनाते समय देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में क्यों नहीं सोचा गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सामने अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए कि वे अमेरिका के दबाव के नीचे क्यों हैं और क्या वे अपने मित्र अडानी, जिस पर अमेरिका में केस दर्ज है, को बचाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके कारण वे भारत को बर्बाद करने वाली नीतियां बना रहे हैं। स. बरसट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पद से इस्तीफा दें, ताकि कोई दूरदर्शी और सूझवान प्रधानमंत्री भारत की विदेश नीति को संतुलित ढंग से बनाकर देश की अर्थव्यवस्था को तरक्की के रास्ते पर ले जा सके।

संक्षिप्त-समाचार

डायसन के साथ बेडरूम को बनाएं बेहतरीन स्लीप सैंक्चुअरी

लुधियाना। बेहतर और गुणवत्तापूर्ण नींद के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते अब लोग अपने बेडरूम को ह्वस्लीप सैंक्चुअरीह्व यानी आराम और गहरी नींद के लिए अनुकूल स्थान में बदलने लगे हैं। वर्ल्ड स्लीप डे के मौके पर, डायसन ने बेडरूम को एक हेल्दी स्लीप सैंक्चुअरी बनाने के लिए प्रैक्टिकल टिप्स दिए हैं। डायसन के अनुसार, बेडरूम अब केवल सोने का कमरा नहीं रहा, बल्कि इसे आराम और शरीर की रिकवरी के लिए खास तौर पर तैयार किया जाने लगा है। विशेषज्ञों के अनुसार, सही वातावरण वाला बेडरूम नींद की गुणवत्ता और समग्र स्वास्थ्य को काफी बेहतर बना सकता है। एक आदर्श स्लीप सैंक्चुअरी केवल आरामदायक बिस्तर तक सीमित नहीं होती। इसमें इनडोर हवा की गुणवत्ता, गद्दे की स्वच्छता, बिस्तर की सामग्री और कमरे की साफ-सफाई जैसे महत्वपूर्ण कारक शामिल होते हैं। साफ और स्वस्थ वातावरण एलर्जी, धूल और अन्य वायु प्रदूषकों को कम करने में मदद करता है, जो नींद को प्रभावित कर सकते हैं। डायसन के अनुसार, डायसन हशजेट प्यूरीफायर कॉम्पैक्ट जैसे उपकरण हवा में मौजूद सूक्ष्म कणों को पकड़कर कमरे में शुद्ध हवा का संचार करते हैं। यह स्लीप मोड में केवल 24डीबीए की कम ध्वनि पर काम करता है, जिससे नींद में बाधा नहीं आती। विशेषज्ञ गद्दों की नियमित सफाई की भी सलाह देते हैं, क्योंकि उनमें धूल और एलर्जी पैदा करने वाले कण जमा हो जाते हैं। इसके अलावा, कमरे में अनावश्यक सामान कम रखना, सोने से पहले तेज सुगंधित उत्पादों का उपयोग घटाना और हर सुबह बिस्तर को थोड़ी देर खुला छोड़ना भी स्वस्थ और आरामदायक नींद के वातावरण बनाने में सहायक होता है।

सैमसंग गैलेक्सी S26 सीरीज और गैलेक्सी बड्स4 सीरीज भारत में उपलब्ध

चंडीगढ़। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने अपनी नई गैलेक्सी S26 सीरीज और गैलेक्सी बड्स4 सीरीज की वैश्विक उपलब्धता की घोषणा कर दी है। सैमसंग की तीसरी पीढ़ी के एआई स्मार्टफोन्स के रूप में गैलेक्सी S26 अल्ट्रा, गैलेक्सी S26+ और गैलेक्सी S26 उपयोगकताओं को अधिक सहज और स्मार्ट एआई अनुभव देने के लिए डिजाइन किए गए हैं, जिससे वे कम चरणों में अधिक काम कर सकते हैं। गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट के बाद से नई सीरीज को दुनियाभर में शानदार प्रतिक्रिया मिली है। शुरूआती प्री-ऑर्डर आंकड़ों में दहाई अंकों की वृद्धि दर्ज की गई है। इनमें गैलेक्सी S26 अल्ट्रा सबसे लोकप्रिय मॉडल बनकर उभरा है, जिसे वैश्विक स्तर पर 70 प्रतिशत से अधिक ग्राहकों ने चुना। गैलेक्सी S26 अल्ट्रा में सैमसंग की कई उन्नत तकनीकों को एक साथ शामिल किया गया है। इसमें शक्तिशाली प्रदर्शन, इंडस्ट्री-लीडिंग कैमरा सिस्टम, बेहतर गैलेक्सी एआई अनुभव और दुनिया का पहला बिल्ट-इन प्राइवेसी डिस्प्ले दिया गया है। यह प्राइवेसी डिस्प्ले डिस्प्ले तकनीक में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जो पिक्सल स्तर पर उपयोगकर्ता की गोपनीयता की सुरक्षा करता है। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का संयोजन इस तरह तैयार किया गया है कि रोजमर्रा के उपयोग में स्क्रीन की गुणवत्ता से समझौता किए बिना प्राइवेसी सुरक्षित रहे।

एआई टूल्स के साथ वीवो वाई51 प्रो 5जी हुआ लॉन्च

चंडीगढ़। वीवो इंडिया ने अपने वाई सीरीज में नया स्मार्टफोन वीवो वाई 51 प्रो 5जी लॉन्च किया। नया वाई 51 प्रो उन यूजर्स के लिए डिजाइन किया गया है जो स्मूथ और भरोसेमंद परफॉर्मेंस के साथ इमर्सिव एंटरटेनमेंट चाहते हैं। यह स्मार्टफोन ऐसा अनुभव देता है जो रोजमर्रा की तेज और बदलती दिनचर्या के साथ कदम मिलाकर चलता है।लंबे समय तक चलने वाली परफॉर्मेंस, स्मूथ मल्टीटास्किंग और रोजमर्रा के आसान इस्तेमाल पर खास ध्यान देते हुए यह डिवाइस वीवो की उस सोच को दिखाता है जिसमें वह ऐसे प्रैक्टिकल इनोवेशन लाना चाहता है जो प्रोडक्टिविटी और एंटरटेनमेंट दोनों में मदद करें और सीरीज के पोर्टफोलियो में लंबे समय तक वैल्यू दें। वीवो वाई 51 प्रो 5जी में शानदार डिजाइन दिया गया है, जिसमें सीमलेस वन-पीस फ्रेम और 3डी क्वाड-कर्व्ड बैक है, जो फोन को हाथ में पकड़ने पर आरामदायक बनाता है। बड़े रेडियस वाले कॉर्नर और मेटैलिक कैमरा डेको इसे प्रीमियम लुक देते हैं। यह दो रंगों में उपलब्ध है – फेस्टिव रेड, जो त्योहारों की लालटेन की गर्म रोशनी से प्रेरित है और ब्लैक बेजल के साथ आता है; और नोबल गोल्ड, जिसमें वीवो का सिग्नेचर ग्रेडिएंट ग्रेटिंग डिजाइन है, जो 3डी डेप्थ इफेक्ट देता है।

प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए बड़े प्रयासों के तहत 672 स्टाफ नर्सों की भर्ती की जाएगी

भगवंत मान सरकार द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को और मजबूत करने के लिए 672 स्टाफ नर्सों की भर्ती का ऐलान

- इन 672 स्टाफ नर्सों की भर्ती से स्वास्थ्य देखभाल स्टाफ को और मजबूती मिलेगी: डॉ. बलबीर सिंह
- पंजाब सरकार ने सरकारी अस्पतालों में मरीजों की देखभाल को और बेहतर बनाने के लिए 672 नई स्टाफ नर्सों के पदों के साथ स्वास्थ्य देखभाल स्टाफ में महत्वपूर्ण वृद्धि की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भगवंत मान सरकार ने सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए 672 स्टाफ नर्सों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। भर्ती से संबंधित यह विज्ञापन प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया है, जिसमें योग्य उम्मीदवारों को बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, फरीदकोट के आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा।

ऑनलाइन आवेदन पोर्टल 13 मार्च 2026 से 02 अप्रैल 2026 तक खुला रहेगा। इन पदों के लिए उम्मीदवार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, पंजाब के अधीन अपनी आवेदन यूनिवर्सिटी की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से जमा कर सकते हैं।

यह भर्ती पहले स्वीकृत 406 स्टाफ नर्स पदों से अलग है, जिनमें से 275 पदों के लिए नियुक्ति आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। नियुक्त की गई इन नर्सों को पंजाब भर के विभिन्न सब-डिविजनल अस्पतालों और जिला अस्पतालों में तैनात किया गया है।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष जनवरी में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भर्ती की गई नई 282 नर्सों को नियुक्ति पत्र सौंपे थे। यह कदम स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में सुशासन और समय पर भर्ती पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ पंजाब सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ध्यान देने योग्य है कि 672 नर्सों की यह भर्ती विशेष रूप से प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर पर नर्सिंग कार्यबल को और मजबूत करेगी। इस कदम से मरीजों की देखभाल में सुधार होगा और सरकारी अस्पतालों में काम के बोझ को कम करने में सहायता मिलेगी।

स्वास्थ्य देखभाल कार्यबल को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि भगवंत मान सरकार पूरे राज्य में स्वास्थ्य ढांचे और कार्यबल को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए पहले ही डॉक्टरों, विशेषज्ञों और पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती की जा चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि अपने स्वास्थ्य कार्यबल को और मजबूत करने तथा मरीजों की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के लिए अब 672 अतिरिक्त स्टाफ नर्सों की भर्ती की जा रही है। यह कदम प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ-साथ पंजाब के लोगों को बेहतर गुणवत्ता वाला इलाज सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने पूरे राज्य में स्वास्थ्य स्टाफ और स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे का लगातार विस्तार किया है।

हाल के वर्षों में 1500 से अधिक डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है, जिनमें 600 से अधिक विशेषज्ञ और 948 सामान्य चिकित्सक शामिल हैं। ये नियुक्तियां वर्तमान में सेवा दे रहे कुल डॉक्टरों का लगभग 35 प्रतिशत हैं और इन्होंने पंजाब भर में चिकित्सा सेवाओं को काफी मजबूत किया है। पंजाब सरकार ने आम आदमी क्लीनिकों के नेटवर्क का विस्तार करने के साथ-साथ माध्यमिक स्वास्थ्य सुविधाओं को भी मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया है, ताकि गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं हर निवासी तक पहुंचाई जा सकें।

इसके अलावा स्वास्थ्य सुविधाओं में 300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से मुफ्त दवाइयों और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता बढ़ाई गई है, जिससे मरीजों की देखभाल और उपचार के परिणामों को और बेहतर बनाया जा सका है।

पंजाब भर के परिवारों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत प्रति परिवार प्रति वर्ष 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवरेज देकर वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान की जा रही है, जिससे नागरिकों को बिना किसी आर्थिक बोझ के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

खाड़ी देशों पर मंडराया युद्ध का साया: ईरान के ड्रोन और मिसाइल हमलों से दहला इराक

इराक में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास और एरबिल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास विस्फोट

समुद्री मार्गों और ईंधन भंडारों पर ईरानी ड्रोनों का कहर

एजेंसी (हि.स.)
बगदाद

अमेरिका-इजराइल के 28 फरवरी से ईरान के खिलाफ शुरू किए सैन्य अभियान की लपटों से घिरे खाड़ी देशों में हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे। ईरान ने इन देशों के खिलाफ लगातार हमले कर रहा है। इराक में वीरवार को सुबह अमेरिकी वाणिज्य दूतावास और एरबिल इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास शक्तिशाली विस्फोट हुआ है।

अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार सुबह इराक के एरबिल में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास (यूएस कॉन्सुलेट) और एरबिल इंटरनेशनल हवाईअड्डा इलाके के पास जबरदस्त धमाका हुआ है।

फोटोः हि.स.

खाड़ी देश ईरानी ड्रोन और मिसाइलों की नई लहरों को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। ईरान ने तेल भंडारण केंद्रों और टैंकरों को निशाना बना रहा है। इराक के कुर्दिस्तान इलाके में एरबिल इंटरनेशनल हवाईअड्डा से धुआं उठता दिख रहा है। इससे पहले, इराक के समुद्री इलाके में ईरानी ड्रोन ने दो विदेशी तेल टैंकरों पर हमला किया। कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 38 अन्य को बचा लिया गया। ईरान ने इसकी जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि जलमार्ग के नीचे हुए ड्रोन हमले में टैंकर उड़ गए। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने देश के पूर्वी हिस्सों में 20 से ज्यादा ड्रोन को रोककर नष्ट कर दिया है। बहरीन ने कहा कि ईरानी हमलों में देश के उत्तरी मुहर्रक गवर्नरेट में एक जगह पर फ्यूल टैंक को निशाना बनाया गया। गृह मंत्रालय ने आस-पास के चार कस्बों और गांवों के लोगों को चेतावनी दी कि वे धुएं और आग के असर से बचने के लिए अपने घरों में रहें और खिड़कियां बंद रखें। संयुक्त अरब अमीरात ने कहा कि उसके एयर डिफेंस ईरान से आने वाले मिसाइल और ड्रोन के खतरों का जवाब दे रहे हैं। दुबई के सरकारी मीडिया ऑफिस ने कहा कि क्रीक हार्बर के पास एक बिल्डिंग पर एक ड्रोन गिरा और मामूली आग पर काबू पा लिया गया।

ईरान ने युद्ध रोकने के लिए दुनिया के सामने तीन शर्तें रखीं

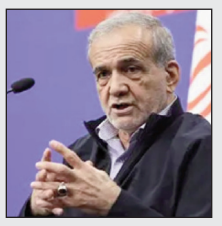

तेहरान/वाशिंगटन। अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध का वीरवार को 13वां दिन हैं। ईरान से शुरू यह जंग फारस के खाड़ी देशों तक फैल चुकी है। ईरान और इजराइल के ताबड़तोड़ हमलों से पश्चिम एशिया में हालात और बदतर हो गए हैं। इस बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने युद्ध रोकने के लिए दुनिया के सामने तीन शर्तें रखी हैं। अल जजीरा न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि यह तीनों शर्तें बेहद जरूरी हैं। अगर ईरान के कानूनी अधिकारों को मान्यता देने, युद्ध के नुकसान की भरपाई करने और भविष्य में हमला न होने की अंतरराष्ट्रीय गारंटी मिल जाए तो ईरान तत्काल प्रभाव से युद्ध रोक देगा। उन्होंने कहा, ईरान के बातचीत की पटरी पर लौटने का यह मतलब यह नहीं कि वह कमजोर है। दूसरी ओर इस युद्ध पर अपना बहुत कुछ गंवा चुके अमेरिका के तेवर अभी भी तल्ख हैं। अमेरिकी मीडिया में प्रसारित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों से फिलवक्त ऐसा नहीं लग रहा कि युद्ध की लपटें बुझेंगी। ट्रंप ने केंटकी राज्य में एक रैली में कहा कि ईरान जंग में अमेरिका जीत चुका है, लेकिन मिशन पूरा होने तक लड़ाई जारी रहेगी। इस बीच अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने संसद को बताया कि ईरान जंग के शुरुआती छह दिन में अमेरिका ने करीब 11.3 अरब डॉलर (लगभग एक लाख करोड़ रुपये) खर्च कर दिए। इनमें से करीब पांच अरब डॉलर (लगभग 45 हजार करोड़ रुपये) हथियारों और गोला-बारूद पर खर्च हुए।

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर दागे 150 रॉकेट ईरान ने भी किया मिसाइल हमला

ईरान और हिजबुल्लाह के मिसाइल हमलों से दहला इजराइल

एजेंसी (हि.स.)
तेल अवीव

फोटोः हि.स.

ईरान समर्थित लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह ने बुधवार देरशाम इजराइल में कम से कम 150 रॉकेट दागे। इस दौरान ईरान ने भी एकीकृत अभियान (इंटीग्रेटेड ऑपरेशन) में मिसाइल दागी। 28 फरवरी से शुरू इस जंग में हिजबुल्लाह के इस हमले को सबसे बड़ा बताया जा रहा है।

द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की रिपोर्ट में बताया गया है कि इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने लेबनान की राजधानी बेरूत में हिजबुल्लाह के गढ़ पर लड़ाकू विमानों से बमबारी की है। एक इजराइली अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्ष गंभीर तनाव की ओर बढ़ रहे हैं। हिजबुल्लाह ने कई घंटों तक हमला जारी रखा। हमले में रॉकेट के अलावा ड्रोन का भी प्रयोग किया गया। इस दौरान लाखों इजराइली घरों को छोड़कर आश्रय स्थलों पर पहुंच गए। इजराइल के एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि हिजबुल्लाह ने यह हमला ईरान के समर्थन में शुरू किया है। इस अधिकारी ने रात लगभग आठ बजे ईरान ने एक मिसाइल से देश सेंट्रल इलाके को निशाना बनाया।

इसी दौरान हिजबुल्लाह ने ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए। उसने रॉकेट की बौछार कर दी। एक घंटे के अंतराल में कम से कम 100 रॉकेट दागे। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इसे एकीकृत हमला बताया। इजराइल ने कहा कि ईरानी मिसाइलों ने देश के नॉर्थ और साउथ को टारगेट किया। इजराइल ने कहा कि उसकी रक्षा प्रणाली ने ईरानी मिसाइलों को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट करते हुए हिजबुल्लाह के हमलों को भी विफल कर दिया। बावजूद इसके हमले के दौरान आग लग गई, और दो लोग मामूली घायल हो गए। मैगन डेविड एडोम एम्बुलेंस सर्विस ने कहा कि 35 साल की एक महिला और 50 साल का एक पुरुष इस हमले की चपेट में आ गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने कहा कि हिजबुल्लाह के हमले का संकेत मिलते ही लोगों को सावधान कर दिया गया। गैलिली और हाइफा में सायरन बजाए गए। सायरन की आवाज लेबनान बॉर्डर से 50 किलोमीटर तक के इलाकों में सुनी गई। आईडीएफ का आकलन है कि हिजबुल्लाह ने उत्तर में कम से कम 150 रॉकेट दागे। इनमें से कई कई रॉकेट खुले इलाकों में भी गिरे।

रामेश्वरम के दो मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने किया गिरफ्तार

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
रामनाथपुरम

रामेश्वरम के दो मछुआरों को सीमापार मछली पकड़ने के आरोप में श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार किया है। उनकी एक मोटरबोट भी जब्त कर ली गई। श्रीलंकाई नौसेना पहले भी कई बार ऐसा कर चुकी है। श्रीलंकाई नौसेना की इस कार्रवाई के बाद फिर से तनावपूर्ण स्थिति बन गई है।

बताया गया है कि रामेश्वरम मछली पकड़ने के बंदरगाह से अनुमति लेकर कई मछुआरे समुद्र में मछली पकड़ रहे थे। तभी धनुष्कोडी और थलैमन्नार के बीच समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ रही एक मोटरबोट को श्रीलंकाई नौसेना ने घेरकर जांच की। भारतीय समुद्री सीमा पार कर मछली पकड़ने का आरोप लगाते हुए उस नाव और उसमें मौजूद मछुआरों को दबोच लिया। दोनों से पूछताछ की जा रही है। इस गिरफ्तारी से रामेश्वरम और आसपास के मछुआरा गांवों में चिंता का माहौल है। मछुआरों का कहना है कि समुद्र में जाने पर हर बार गिरफ्तारी का डर बना रहता है। सीमा पार मछली पकड़ने के आरोप में मछुआरों को गिरफ्तार करना और कई बार उनकी नौकाओं को जब्त करना उनकी आजीविका पर गंभीर असर डाल रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई जहाज पर हमले पर भारत ने जताई चिंता

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में एक थाई जहाज पर हुए हमले को लेकर भारत ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव के दौरान व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया जाना चिंताजनक है और इससे अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा पर खतरा पैदा होता है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार 11 मार्च को जिस थाई मालवाहक जहाज ह्यमयूरी नारीह्ल पर हमला हुआ, वह भारत के गुजरात स्थित कांडला बंदरगाह की ओर आ रहा था। घटना के बाद भारत स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। सरकार ने कहा कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है। भारत ने क्षेत्र में सभी पक्षों से संयम बरतने और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा बनाए रखने की अपील भी की है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे व्यस्त और रणनीतिक समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और अन्य व्यापारिक सामान का आवागमन होता है। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव के कारण हाल के दिनों में इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

खाड़ी देशों में फंसे नेपाली नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए विकल्पों पर विचार

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

खाड़ी देशों में फंसे नेपाली नागरिकों की सुरक्षित वापसी को लेकर नेपाल सरकार लगातार विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रही है। नेपाल का विदेश मंत्रालय कूटनीतिक पहल तक के विकल्प पर विचार कर रहा है। नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई ने बताया कि उनके समन्वय में गठित आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम की बैठक वीरवार को भी जारी है। उन्होंने बताया कि खाड़ी देशों से वापसी का इंतजार कर रहे पचास हजार नेपाली नागरिको की सुरक्षित वतन वापसी को लेकर योजना तैयार की जा रही है।

वीरवार को हुई बैठक में खाड़ी देशों के विमानस्थल पर ट्रांजिट के लिए फंसे नेपाली नागरिकों को प्राथमिकता में रख कर वापसी शुरू किए जाने के बाद इसको निरंतरता देने का फैसला किया गया। बुधवार रात को ही नेपाल एयरलाइंस का विशेष विमान भेजकर दुबई के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ट्रांजिट में फंसे नेपाली नागरिकों का पहला जत्था वीरवार को सुबह काठमांडू पहुंचा है। विदेश सचिव राई ने बताया कि अब नियमित रूप से विशेष विमान भेज कर नेपाली नागरिकों को वहां से सुरक्षित लाने का फैसला किया गया है। इसके लिए नेपाल एयरलाइंस का विमान उपयोग किया जाएगा। साथ ही नेपाल सरकार ने फ्लाई दुबई और एमिरेट्स एयर के विमानों को भी नेपाली नागरिकों के सुरक्षित वापसी के लिए किराए पर लेने के का फैसला किया गया है। विदेश मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक खाड़ी देशों में रहे करीब 50 हजार नेपाली नागरिकों ने नेपाल वापसी के लिए ऑनलाइन आवेदन दिया है। सरकार इनकी सुरक्षा की प्राथमिकता को तय कर इनके वापसी की सभी संभावनाओं पर काम कर रही है।

संक्षिप्त-समाचार

अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों के बाद एशिया में भी भारी बिकवाली

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से वीरवार को कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी वीरवार को गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में भी वीरवार को चौतरफा बिकवाली हो रही है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार होता रहा। डाउ जॉन्स 300 अंक टूट गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,775.80 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत नैस्डेक 0.08 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 22,716.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स वीरवार को फिलहाल 573.74 अंक यानी 1.21 प्रतिशत लुढ़क कर 46,843.53 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,353.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,041.81 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

दबाव के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी की स्थिति में सुधार

नई दिल्ली। जबरदस्त वैश्विक दबाव के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में वीरवार को शुरूआती कारोबार के दौरान निचले स्तर से रिकवरी का रुख बनता हुआ नजर आ रहा है। वीरवार को के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होने लगा। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.68 प्रतिशत और निफ्टी 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टेक महिंद्रा, कोल इंडिया, ओएनजीसी, एनटीपीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 0.25 प्रतिशत से लेकर 0.01 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एटरनल, इंटरग्लोब एविएशन, टीएमपीवी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज ऑटो के शेयर 4.08 प्रतिशत से लेकर 2.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,616 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 441 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,175 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 25 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 4 शेयर हरे निशान में और 46 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री ओली की चुनाव पर पहली प्रतिक्रिया में हार का दर्द छलका

काठमांडू। पूर्व प्रधानमंत्री तथा सीपीएन यूएमएल के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली की चुनाव परिणाम के बाद पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। आज उन्होंने फेसबुक पोस्ट में मतदाताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी पार्टी जनता के साथ अपने संबंध को और मजबूत बनाएगी। ओली ने कहा, इस बार के चुनाव में मुझे अपेक्षा के अनुसार परिणाम प्राप्त नहीं हुआ। हमारी पार्टी भी अपेक्षित परिणाम नहीं ला सकी। लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता का होता है और उस फैसले को स्वीकार करना मेरा और मेरी पार्टी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हम जनता के बीच ही रहेंगे, जनता के लिए काम करते रहेंगे और विश्वास के इस संबंध को और मजबूत बनाते हुए आगे बढ़ेंगे। मत देने, साथ देने और विश्वास रखने वाले सभी लोगों को हृदय से धन्यवाद। झापा 5 निर्वाचन क्षेत्र से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार बालेन्द्र शाह से चुनाव में पराजित होने के बाद यह उनकी पहली प्रतिक्रिया है। नेपाल में वामपंथी दलों के इतिहास में यह पहली बार है जब यूएमएल पार्टी आम चुनाव में दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं सका। यूएमएल को प्रत्यक्ष में सिर्फ 9 सीटे हासिल हुई। इसी तरह समानुपतिक में पार्टी को अब तक सबसे कम वोट 14.55 लाख वोट हासिल हुए।अब तक पार्टी को हमेशा ही 30 लाख से ऊपर ही वोट मिलता रहा है।

कूचबिहार में नर्स की जलने से मौत, पति गंभीर रूप से झुलसा

कूचबिहार। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में पारिवारिक विवाद के बीच एक सरकारी अस्पताल के नर्स की जलने से मौत हो गई। घटना बुधवार रात की है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि महिला के पति ने उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार मृत महिला की पहचान 35 वर्षीय छंदा राय के रूप में हुई है। वह कूचबिहार के एमजेएम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में नर्स के पद पर कार्यरत थीं। छंदा कूचबिहार शहर के बक्सीबाड़ी इलाके में किराए के मकान में रहती थीं। उनके पति रंजीत राय सिलीगुड़ी में वाहन चालक के रूप में काम करते हैं और बीच-बीच में पत्नी से मिलने आते थे। दंपति की एक बेटी है, जो कालिम्पोंग के एक स्कूल में पढ़ती है। बताया गया है कि हाल के दिनों में पति-पत्नी के बीच कई मुद्दों को लेकर विवाद चल रहा था और मामला एक बार थाने तक भी पहुंचा था, हालांकि छंदा ने पति के खिलाफ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार बुधवार शाम छंदा अस्पताल से लौटकर घर आई थीं। कुछ देर बाद उसका पति भी वहां पहुंचा। रात में दोनों के बीच जोरदार बहस और चीख-पुकार सुनाई दी। इसके बाद घर के अंदर आग लगने की घटना सामने आई। एक महिला प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि उन्होंने एक व्यक्ति को घर से भागते हुए देखा, जिसके शरीर में भी आग लगी हुई थी और वह कपड़े उतारकर वहां से भाग गया। उधर, घर के सामने गेट के पास छंदा राय गंभीर रूप से झुलसी हुई अवस्था में पड़ी मिलीं। उन्हें बचाया नहीं जा सका। वहीं घायल रंजीत भी घटनास्थल से ज्यादा दूर नहीं जा सके और उन्हें भी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर दमकल और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

भारत में लाइकेन पतंगों की दो नई प्रजातियां खोजी गईं

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

फोटोः हि.स.

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया) ने लेपिडोप्टेरा वर्ग की लाइकेन पतंगों की दो नई प्रजातियों की खोज कर कीट विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही भारतीय हिमालय क्षेत्र से सात अन्य प्रजातियों का भी पहली बार दस्तावेजीकरण किया गया है।

संस्थान के गुरुवार सुबह जारी बयान में बताया गया है कि इस शोध का प्रकाशन दो मार्च को एक अंतरराष्ट्रीय वर्गिकी शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। इस अध्ययन में भारतीय वैज्ञानिकों की टीम ने इन नई प्रजातियों का वैज्ञानिक विवरण प्रस्तुत किया है।

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण की निदेशक डॉ. धृति बनर्जी ने इस उपलब्धि को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह खोज भारत में पतंगों की जैव विविधता के दस्तावेजीकरण में अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि लेपिडोप्टेरा जैसे कम अध्ययन किए गए समूहों पर शोध पारिस्थितिकी तंत्र की कार्यप्रणाली को समझने और हिमालयी क्षेत्र में वायु प्रदूषण के संकेतक जीवों की पहचान के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह सफलता जैव विविधता वाले क्षेत्रों में निरंतर वर्गिकी अनुसंधान की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। इस शोध दल में कोलकाता स्थित भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के वैज्ञानिक डॉ. नवनीत सिंह, जबलपुर स्थित केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. संतोष सिंह तथा कोलकाता की शोधार्थी सृष्टि भट्टाचार्य शामिल हैं। इन प्रजातियों की पहचान सिक्किम के गोलितार तथा पश्चिम बंगाल के पानीझोरा क्षेत्र से एकत्र नमूनों के अध्ययन के आधार पर की गई। वैज्ञानिकों के अनुसार, इन प्रजातियों की पहचान उनके शरीर की बनावट, पंखों के रंग और पैटर्न, सूक्ष्म शारीरिक संरचनाओं तथा प्रजनन अंगों की विशेष संरचना के आधार पर की गई है। वैज्ञानिकों ने बताया कि लाइकेन पतंगों का पारिस्थितिकी तंत्र में विशेष महत्व है। इनके शिशु लाइकेन पर निर्भर रहते हैं, जो वायु प्रदूषण के प्रति अत्यंत संवेदनशील होते हैं। इस कारण ये प्रजातियां पर्यावरण और वायु गुणवत्ता के प्राकृतिक संकेतक के रूप में भी महत्वपूर्ण मानी जाती हैं।

स्टॉक मार्केट में एल्फिन एग्रो की मामूली प्रीमियम के साथ एंट्री

नई दिल्ली। आटा, सूजी, मैदा और पीली सरसों तेल के बिजनेस में लगी कंपनी एल्फिन एग्रो इंडिया के शेयर ने वीरवार को स्टॉक मार्केट में सांकेतिक प्रीमियम के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 47 रुपये के भाव पर जारी किए गए। वीरवार को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग सिर्फ 30 पैसे यानी 0.64 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 47.30 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर 48.05 रुपये के स्तर तक पहुंचा, लेकिन उसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 47.34 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 0.72 प्रतिशत के मामूली फायदे में थे। एल्फिन एग्रो इंडिया का 25.03 करोड़ रुपये का आईपीओ पांच मार्च से नौ मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.35 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.12 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

कैलिफोर्निया पर ईरान कर सकता है ड्रोन हमला, एफबीआई ने किया आगाह

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
सैक्रामेंटो (कैलिफोर्निया)

अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने कैलिफोर्निया के साथ एक आंतरिक दस्वावेज साझा किया है। इसमें आशंका जताई गई है कि कैलिफोर्निया पर ईरान कभी भी ड्रोन हमला कर सकता है। अमेरिका-इजराइल की ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान के दौरान आई इस जानकारी को बेहद गंभीर माना जा रहा है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस रिपोर्ट पर कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने टिप्पणी की है। उन्होंने एक्स पर कहाः हालांकि हमें इस समय किसी भी आने वाले खतरे के बारे में पता नहीं है। हम अपने राज्य में किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार हैं। अधिकारियों के अनुसार, एफबीआई के इस दस्तावेज की सूचना से सुरक्षा संबंधी चिंता बढ़ गई है। हालांकि लॉ एनफोर्समेंट के अधिकारी और होमलैंड सिक्योरिटी विशेषज्ञ ने कहा कि इस चेतावनी से घबराने जैसी कोई बात नहीं है। बताया गया है कि इस दस्तावेज को एफबीआई के लॉस एंजिल्स ऑफिस ने स्थानीय लॉ एनफोर्समेंट के साथ पिछले हफ्ते साझा किया। एफबीआई का कहना है कि इस सूचना को सत्यापित नहीं किया जा सका है, इसलिए कोई खास खतरा नहीं है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना चांदी में मामूली गिरावट

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

घरेलू सर्राफा बाजार में वीरवार को शुरूआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में मजबूती का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में मामूली कमजोरी नजर आ रही है। सोना वीरवार को 850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 930 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसके विपरीत चांदी की कीमत में वीरवार को 200 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना वीरवार को 1,63,320 रुपये से लेकर 1,63,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना वीरवार को 1,49,710 रुपये से लेकर 1,49,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु वीरवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,89,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में वीरवार को 24 कैरेट सोना 1,63,470 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,49,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,63,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,63,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,49,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना वीरवार को 1,63,320 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,49,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

मौसम

रतलाम में पारा 40 डिग्री, 14-15 मार्च को बदलेगा मौसम

मध्य प्रदेश में मार्च में ही झुलसाने लगी गर्मी

प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में भी पड़ रही तेज गर्मी

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

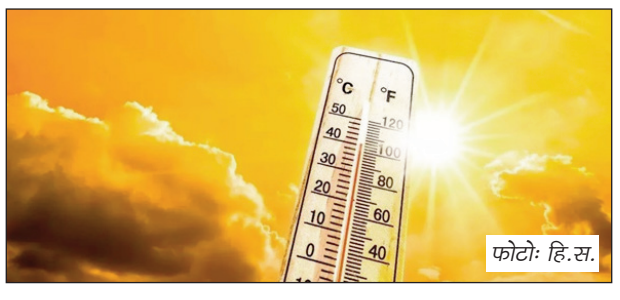
फोटोः हि.स.

मध्य प्रदेश में मार्च के महीने में ही गर्मी का असर तेज हो गया है। बुधवार को सीजन में पहली बार रतलाम जिले में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भोपाल, इंदौर और उज्जैन समेत कई शहरों में भी गर्मी के तेवर तीखे रहे। 14 और 15 मार्च को प्रदेश के कई इलाकों में बारिश, बादल छाने और गरज-चमक की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) के प्रभाव से दो दिनों तक मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है।

बुधवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तेज गर्मी दर्ज की गई। रतलाम प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां अधिकतम तापमान 40 डिग्री दर्ज किया गया। नर्मदापुरम में 39.9 डिग्री, धार में 39.4 डिग्री, टीकमगढ़ में 38.4 डिग्री, खजुराहो में 38.2 डिग्री और गुना में 38.1 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा दमोह, मंडला, उमरिया, सागर, खरगोन, खंडवा और श्योपुर में भी तापमान 37 डिग्री या उससे अधिक रहा। मार्च में पहली बार इतना अधिक तापमान दर्ज किया गया है। बड़े शहरों की बात करें तो इंदौर में तापमान 38 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि ग्वालियर और उज्जैन में 37.7 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में पारा 36.4 डिग्री और जबलपुर में 36.5 डिग्री रहा। प्रदेश में मार्च के दूसरे सप्ताह से ही गर्मी का असर बढ़ने लगा है। ग्वालियर, चंबल, उज्जैन और इंदौर संभाग के शहर सबसे ज्यादा गर्म बने हुए हैं। आने वाले दिनों में इन क्षेत्रों में गर्मी का प्रभाव और अधिक बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल हवाओं की दिशा उत्तर-पूर्व से बदलकर पश्चिम और उत्तर-पश्चिम हो गई है। हवा में नमी कम होने के कारण तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। साथ ही रेगिस्तानी इलाकों से आने वाली गर्म हवाएं भी प्रदेश में गर्मी बढ़ा रही हैं। 14 मार्च को ग्वालियर, नीमच, मंदसौर, मुरैना, श्योपुर और भिंड जिलों में मौसम बदलने की संभावना है। 15 मार्च को ग्वालियर, जबलपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, नर्मदापुरम और बैतूल जिलों में बादल, बारिश और गरज-चमक का असर देखा जा सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस साल अप्रैल और मई के दौरान प्रदेश में लू चलने की संभावना है, जो करीब 15 से 20 दिन तक रह सकती है। आमतौर पर प्रदेश में तेज गर्मी 15 मार्च के बाद शुरू होती है, लेकिन इस बार मार्च की शुरूआत में ही तापमान तेजी से बढ़ने लगा है।

आईसीसी की बड़ी कार्रवाई, वेस्टइंडीज के खिलाड़ी जेवोन सर्ल्स सहित तीन निलंबित

बिम10 लीग पर फिक्सिंग का साया: जेवोन सर्ल्स और चित्तरंजन राठौड़ पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली/बारबाडोस

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के उल्लंघन के मामले में वेस्टइंडीज के खिलाड़ी जेवोन सर्ल्स, टीम अधिकारी ट्रेवोन ग्रिफिथ और टाइटंस टीम के मालिक चितरंजन राठौड़ पर आरोप लगाए हैं। यह मामला 2023-24 में बारबाडोस में आयोजित बिम10 क्रिकेट टूर्नामेंट से जुड़ा हुआ है।

जांच के बाद तीनों व्यक्तियों पर क्रिकेट वेस्टइंडीज के भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के तहत कई आरोप लगाए गए हैं। राठौड़ पर तीन, सर्ल्स पर चार और ग्रिफिथ पर चार आरोप लगाए गए हैं। इन सभी पर आरोप है कि उन्होंने बिम10 टूर्नामेंट के मैचों के परिणाम, प्रगति या अन्य पहलुओं को अनुचित तरीके से प्रभावित करने या ऐसा करने की साजिश रचने का प्रयास किया।

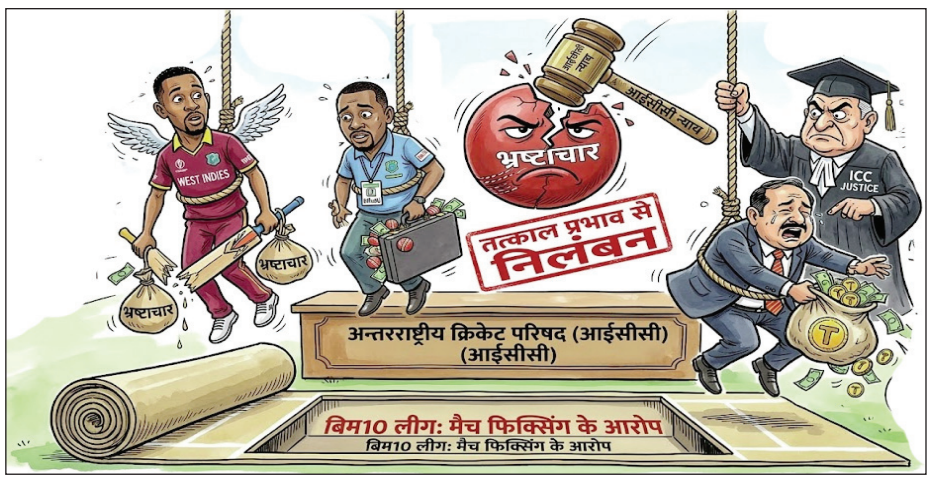

जांच में यह भी सामने आया कि संबंधित व्यक्तियों ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को भ्रष्टाचार विरोधी नियमों का उल्लंघन करने के लिए उकसाने या सहायता करने का प्रयास किया। इसके अलावा तीनों पर यह भी आरोप है कि उन्होंने संभावित भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच में सहयोग नहीं किया और संबंधित अधिकारियों को जरूरी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई। साथ ही सर्ल्स और ग्रिफिथ पर यह भी आरोप लगाया गया है कि उन्होंने क्रिकेट वेस्टइंडीज को उन संपर्कों या प्रस्तावों की जानकारी नहीं दी, जिनका उद्देश्य खिलाड़ियों को भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल करना था।

ट्रेवोन ग्रिफिथ पर अतिरिक्त रूप से यह आरोप भी लगाया गया है कि उन्होंने भ्रष्टाचार से जुड़ी जांच के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी को छिपाने या उसमें छेड़छाड़ करने की कोशिश की। इन आरोपों के बाद तीनों को तत्काल प्रभाव से सभी प्रकार के क्रिकेट से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। उन्हें 11 मार्च 2026 से 14 दिनों के भीतर इन आरोपों का जवाब देने का समय दिया गया है।

यह मामला एक व्यापक जांच का हिस्सा है, जिसके तहत इससे पहले संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाड़ी एरॉन जोन्स पर भी भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के उल्लंघन के कई आरोप लगाए जा चुके हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कहा है कि अनुशासनात्मक प्रक्रिया पूरी होने तक इस मामले में आगे कोई टिप्पणी नहीं की जाएगी।

चैंपियंस लीग: आर्सेनल और लेवरकुजेन के बीच खेला गया मैच 1-1 की बराबरी पर समाप्त

एजेंसी (हि.स.)
बर्लिन

फोटोः हि.स.

चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ 16 के पहले मुकाबले में आर्सेनल और बायर लेवरकुजेन के बीच खेला गया मैच 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ।बेअरएरेना स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए इस मुकाबले में आर्सेनल को अंतिम मिनटों में पेनल्टी मिली, जिस पर काई हावर्त्स ने गोल कर टीम को हार से बचा लिया। मुकाबले की शुरूआत से ही दोनों टीमों ने सावधानी के साथ खेल दिखाया और मजबूत रक्षण पर ध्यान दिया। लेवरकुजेन के कप्तान रॉबर्ट आंद्रिख शुरूआती मिनटों में ही चर्चा में आ गए जब उन्होंने आर्सेनल के खिलाड़ी विक्टर ग्योकेरेस को बॉक्स के बाहर रोक दिया, जिसके कारण उन्हें पीला कार्ड मिला।

आर्सेनल ने गेंद पर अधिक नियंत्रण रखा, लेकिन लेवरकुजेन की मजबूत रक्षा पंक्ति के कारण स्पष्ट अवसर कम ही बन सके। पहले हाफ के मध्य में गैब्रियल मार्टिनेली ने शानदार कर्लिंग शॉट लगाया, लेकिन गेंद क्रॉसबार से टकराकर बाहर चली गई। दूसरी ओर लेवरकुजेन की ओर से इब्राहिम माजा ने कुछ हमले किए, मगर पहले हाफ के अंत तक कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। दूसरे हाफ की शुरूआत होते ही लेवरकुजेन ने बढ़त बना ली। मार्टिन टेरियर के हेडर को गोलकीपर डेविड राया ने शानदार तरीके से रोका, लेकिन इसके बाद मिले कॉर्नर पर एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो की गेंद दूर पोस्ट तक पहुंची, जहां रॉबर्ट आंद्रिख ने हेडर लगाकर गोल कर दिया। इस गोल के बाद लेवरकुजेन की टीम ने मजबूत रक्षण करते हुए आर्सेनल को ज्यादा मौके नहीं दिए। मुकाबले के अंतिम क्षणों में आर्सेनल को बड़ा मौका मिला। पेनल्टी क्षेत्र में मलिक टिलमैन ने नोनी माडुके को रोका, जिसके बाद वीडियो समीक्षा के जरिए रेफरी ने पेनल्टी का फैसला दिया। आर्सेनल के लिए मैदान पर उतरे काई हावर्त्स ने 89वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदल दिया और स्कोर 1-1 कर दिया। इस बराबरी के साथ मुकाबला समाप्त हुआ और अब दूसरा चरण अगले सप्ताह लंदन में खेला जाएगा। अन्य मुकाबलों में रियल मैड्रिड ने मैनचेस्टर सिटी को 3-0 से हराया। वहीं पेरिस सेंट जर्मेन ने चेल्सी पर 5-2 की बढ़त हासिल की, जबकि बोदो ग्लिम्ट ने स्पोर्टिंग क्लब को 3-0 से हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की।

बीसीसीआई के वार्षिक पुरस्कार समारोह में गिल का 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुना जाना तय

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का 15 मार्च को यहां होने वाले बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के वार्षिक पुरस्कार समारोह में 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुना जाना तय है। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को हाल में विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाली टी20 टीम में नहीं चुना गया था, लेकिन उन्होंने अन्य दो प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन किया। गिल ने 2025 में टेस्ट मैचों में 70 से अधिक के औसत से 983 रन बनाए, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ उसकी धरती पर ड्रॉ रही श्रृंखला में बनाए गए 754 रन भी शामिल हैं। गिल ने चैंपियंस ट्रॉफी वनडे टूर्नामेंट में भी भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस टूर्नामेंट में उन्होंने 188 रन बनाए और इस तरह से वर्ष 2025 में वनडे में कुल 490 रन बनाए। गिल ने कुल मिलाकर तीनों प्रारूपों में 49 के औसत से 1,764 रन बनाए, जिसमें सात शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनका प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा, लेकिन आईपीएल में वह शानदार फॉर्म में थे। आईपीएल में उन्होंने गुजरात टाइटन्स की तरफ से खेलते हुए 50 की औसत से 650 रन बनाए। भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट में उनके अमूल्य योगदान के लिए कर्नल सीके नायडू 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया जाना तय है। उनके मुख्य कोच रहते हुए भारत ने 2024 में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को घरेलू क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ एसोसिएशन का पुरस्कार मिलने की संभावना है।

मन्नेपल्ली स्विस ओपन के दूसरे दौर में

बासेल। भारतीय शटलर थारुन मन्नेपल्ली ने जापान के अपने प्रतिद्वंदी केंटा निशिमोटो के निर्णायक सेट में रिटायर होने के बाद स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज मन्नेपल्ली बुधवार की रात खेले गए इस मैच में तब 16-21 21-16 7-2 से आगे चल रहे थे, जब पांचवीं वरीयता प्राप्त निशिमोटो ने कंधे में दर्द के कारण मैच से हटने का फैसला किया। पिछले साल मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले 24 वर्षीय मन्नेपल्ली का अगला मुकाबला मलेशिया के जस्टिन होह से होगा। इस बीच महिला एकल में मालविका बंसोड़ थाईलैंड की विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग से एकतरफा मुकाबले में 11-21, 15-21 से हार गईं। थाईलैंड की खिलाड़ी के खिलाफ यह उनकी चौथी हार है। गुरुवार को सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व के चौथे नंबर के पुरुष युगल जोड़ी, किरण जॉर्ज तथा ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी अपनी चुनौती पेश करेंगे।

यूईएफए चैंपियंस लीग: फेडेरिको वाल्वर्डे की हैट्रिक से रियल मैड्रिड की शानदार जीत

एजेंसी (हि.स.)
मैड्रिड

फोटोः हि.स.

यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26 के राउंड ऑफ 16 के पहले मुकाबले में रियल मैड्रिड ने मैनचेस्टर सिटी को 3-0 से हराकर बड़ा कदम क्वार्टर फाइनल की ओर बढ़ा दिया। सैंटियागो बनार्बेउ स्टेडियम में खेले गए इस मैच में उरुग्वे के मिडफील्डर फेडेरिको वाल्वर्डे ने अपने करियर की पहली हैट्रिक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। मैच के 20वें मिनट में गोलकीपर थिबो कोर्टुआ की लंबी पास पर वाल्वर्डे दाईं ओर से तेज दौड़ लगाते हुए आगे बढ़े और गोलकीपर जियानलुइजी डोनारुम्मा को छकाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। सात मिनट बाद विनीसियस जूनियर के शानदार पास पर वाल्वर्डे ने ऑफसाइड ट्रैप को तोड़ते हुए दूसरा गोल दाग दिया। इससे रियल मैड्रिड ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। पहले हाफ के 42वें मिनट में रियल मैड्रिड ने तीसरा गोल किया। ब्राहिम डियाज के बेहतरीन पास पर वाल्वर्डे ने गेंद को आगे उछालकर शानदार वॉली लगाई और अपनी हैट्रिक पूरी कर ली। इस गोल के साथ स्टेडियम में मौजूद दर्शक खुशी से झूम उठे। दूसरे हाफ में मैनचेस्टर सिटी ने वापसी की कोशिश की। जेरमी डोकू और एंटोइन सेमेन्यो ने आक्रमण तेज किया, लेकिन रियल मैड्रिड के गोलकीपर कोर्टुआ ने शानदार बचाव करते हुए टीम की बढ़त बरकरार रखी। इस दौरान रियल मैड्रिड को एक और गोल करने का मौका भी मिला जब विनीसियस जूनियर को पेनल्टी मिली, लेकिन डोनारुम्मा ने शानदार बचाव करते हुए गोल होने से रोक दिया। इस जीत के साथ रियल मैड्रिड ने मुकाबले में मजबूत बढ़त बना ली है। अब दूसरा मुकाबला अगले सप्ताह इंग्लैंड में खेला जाएगा, जहां मैनचेस्टर सिटी को अगले दौर में पहुंचने के लिए बड़ी वापसी करनी होगी। वाल्वर्डे ने मैच के बाद कहा कि यह उनके लिए बेहद खास दिन था और टीम की जीत से वह बेहद खुश हैं।

दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना पसंद है: जसप्रीत बुमराह

एजेंसी (हि.स.)
अहमदाबाद

फोटोः हि.स.

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 विश्व कप में खिताब का बचाव करना अपने करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक करार देते हुए कहा कि उन्हें दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना अच्छा लगता है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में चार विकेट लेकर भारत की 96 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे भारत टी20 विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने और तीन बार यह ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें बुमराह ने कहा, मैं पर्दे के पीछे नहीं रहना चाहता हूं। मैं हमेशा सक्रिय रूप से भाग लेना चाहता हूं। मुझे शुरू से ही चुनौतियां पसंद हैं। बुमराह को फाइनल में शानदार प्रदर्शन करने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने कहा, मैंने क्रिकेट इसी मकसद से खेला है। मैंने क्रिकेट खेलना इसी मकसद से शुरू किया था। जब मैं कुछ बदलाव लाता हूं तो मुझे बहुत खुशी मिलती है। इससे बेहतर कोई अहसास नहीं है। गुजरात में जन्में इस तेज गेंदबाज के लिए यह जीत भावनात्मक रूप से और भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि यह जीत उसी स्थान पर मिली जहां से उनके क्रिकेट करियर की शुरूआत हुई थी। बुमराह ने कहा, मैंने यहीं से क्रिकेट खेलना शुरू किया। मैंने अपना अधिकतर क्रिकेट यहीं खेला है। मैं यहीं गुजरात के लिए खेलते हुए आगे बढ़ा। यहीं विश्व कप जीता और मैन ऑफ द मैच बना।

ग्लोबल वार्मिंग के साथ हेल्थ वार्निंग, इतिहास में पहली बार CO_2 का स्तर सबसे ज्यादा

शरीर को स्वस्थ रखने और सभी अंगों के ठीक तरीके से काम करते रहने के लिए जरूरी है कि ऑक्सीजन युक्त खून का संचार निरंतर होता रहे। इसके लिए हमारे फेफड़े 24 घंटे सातों दिनों लगातार काम करते रहते हैं। हालांकि जिस तरह से पर्यावरण में प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है, इससे वायुमंडल में मौजूद गैसों का संतुलन भी प्रभावित हो रहा है। नतीजतन सेहत को लेकर चिंताएं भी बढ़ती जा रही हैं। जीवन का बेसिक साइंस है- हम सांस के जरिए ऑक्सीजन लेते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं। यही हमारे अस्तित्व का आधार है। हालांकि पिछले एक दशक में कई रिपोर्ट्स में चिंता जताई जाती रही है कि वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) का स्तर बढ़ रहा है। ये स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक हैं। बढ़ता कार्बन डाइऑक्साइड वैश्विक जलवायु परिवर्तन को तो बढ़ावा देता ही है साथ ही इससे कई तरह के स्वास्थ्य जोखिम भी हो सकते हैं, जिसको लेकर सावधान रहने की जरूरत है। इसी से संबंधित एक हालिया रिपोर्ट में शोधकताओं ने बताया है कि कार्बन डाइऑक्साइड का बढ़ता स्तर इंसानी खून में भी दिखाई देने लगा है।

वातावरण में बढ़ता कार्बन डाइऑक्साइड

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इंसान ऐसे माहौल में विकसित हुए जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा लगभग 200-300 पार्ट्स प्रति मिलियन थी। समय के साथ यह आंकड़ा 420 ppm से ऊपर पहुंच गया है, ये हमारी प्रजाति के इतिहास में किसी भी समय से ज्यादा है। हम जानते हैं कि कार्बन डाइऑक्साइड की अतिरिक्त मात्रा जलवायु परिवर्तन में योगदान दे रही है, पर क्या आप जानते हैं कि यह हमारे शरीर की केमिस्ट्री को भी बदल रहा है?

अध्ययन में पता चला

इस खतरनाक ट्रेंड को समझने के लिए विशेषज्ञों की टीम ने दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य डेटासेट में से पिछले दो दशकों की जानकारी का अध्ययन किया। इसके आधार पर जो बाते समझ आई हैं वो काफी डराने वाली हो सकती हैं।

खून के एसिडिक होने का खतरा

जब थोड़े समय के लिए कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ जाता है, तो इससे खून ज्यादा एसिडिक हो सकता है और खून में बाइकाबोर्नेट का स्तर थोड़ा बढ़ जाता है। अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो किडनी पेशाब के जरिए निकलने वाले बाइकाबोर्नेट की मात्रा को कम कर देती है और ज्यादा बाइकाबोर्नेट बनाती हैं। इसका कुल असर यह होता है कि खून में बाइकाबोर्नेट का स्तर बढ़ जाता है, जिससे लगातार बनी रहने वाली एसिडिक स्थिति से का मुकाबला किया जा सके।

सेहत पर क्या हो सकता है इसका असर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इस अध्ययन का यह मतलब ये नहीं है कि जब वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर एक निश्चित सीमा तक पहुंच जाएगा, तो लोग अचानक बीमार पड़ने लगेंगे। हालांकि डेटा से जो संकेत मिल रहा है, वह ध्यान देने लायक है। CO_2 का बढ़ता स्तर ब्लड केमिस्ट्री में धीरे-धीरे बदलाव ला रही है। हमें वातावरण की बनावट पर भी पारंपरिक जलवायु संकेतकों के साथ-साथ नजर रखी जानी चाहिए। यह लंबे समय में लोगों की सेहत पर असर डालने वाला एक संभावित कारक हो सकता है।

हाइपरकार्बिया का असर

खून में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ने को हाइपरकैपनिया या हाइपरकार्बिया कहते हैं। इसकी वजह से रेस्पिरेटरी एसिडोसिस हो जाता है, जिससे खून बहुत ज्यादा एसिडिक हो जाता है। इसके लक्षणों में तेज सिरदर्द, सांस लेने में दिक्कत, चक्कर आने, भ्रम, पैनिक अटैक जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। गंभीर मामलों में अगर इलाज न किया जाए तो मरीज कोमा में भी जा सकता है या उसकी मौत भी हो सकती है। कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ने से दिमाग की नसें फैल (सेरेब्रल वैसोडाइलेशन) जाती हैं, जिससे दिमाग में खून का दबाव बढ़ जाता है। इसकी वजह से तेज सिरदर्द और चक्कर आने लगते हैं।

शुगर-बीपी नहीं रहता कंट्रोल तो किडनी से भी धो बैठेंगे हाथ

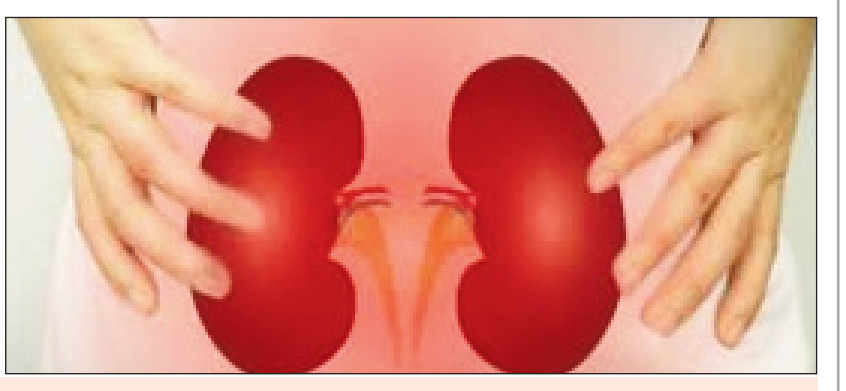

किडनी हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक है। भले ही ये अंग काफी छोटा सा होता है, लेकिन शरीर के कामकाज में इसकी बड़ी भूमिका होती है। किडनी रोजाना लगभग 130-140 लीटर खून को छानकर उसमें से जहरीले पदार्थ, अपशिष्ट जैसे यूरिया-क्रिएटिनिन और अतिरिक्त पानी को बाहर निकालती है। किडनी की ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके अलावा इलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम, पोटेशियम) का संतुलन बनाए रखने, रक्त के pH स्तर को नियंत्रित करने जैसे इस छोटे से अंग के कई बड़े-बड़े काम हैं। हालांकि दुनियाभर में किडनी से संबंधित बीमारियों के मामले भी तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। कम उम्र के लोगों में भी इसका खतरा देखा जा रहा है। किडनी की समस्याओं पर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इससे किडनी फेलियर तक का खतरा रहता है जिसे जानलेवा माना जाता है। किडनी की बीमारियों के लिए लाइफस्टाइल-खानपान में गड़बड़ी को प्रमुख माना जाता है।

हाई शुगर के कारण किडनी की बीमारी

डॉक्टर कहते हैं, जिन लोगों का शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है उनमें किडनी की बीमारियों का खतरा अधिक हो सकता है। लंबे समय तक हाई शुगर की समस्या किडनी की छोटी-छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाती है। इससे डायबिटिक नेफ्रोपैथी की समस्या हो सकती है। लगातार हाई ग्लूकोज के कारण फिल्टरिंग सिस्टम कमजोर हो जाता है, जिससे पेशाब में प्रोटीन आने लगता है, इससे क्रॉनिक किडनी डिजीज हो सकती है।

हाई ब्लड प्रेशर कितना खतरनाक

हाई ब्लड शुगर की ही तरह से ब्लड प्रेशर भी रक्त वाहिकाओं पर अतिरिक्त दबाव डालता है। ब्लड प्रेशर के कारण किडनी की नाजुक नसें धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त होने लग जाती हैं। जब किडनी ठीक से काम नहीं करती, तो शरीर में नमक और पानी जमा होने लगता है, जिससे बीपी और बढ़ा रहता है। जिन लोगों को हाई बीपी और हाई शुगर दोनों समस्याएं हैं, उनमें किडनी की बीमारी और इसके खराब होने का खतरा और भी ज्यादा होता है।

किडनी को हेल्दी रखने के लिए क्या करें

किडनी रोग विशेषज्ञ बताते हैं, बीपी और शुगर के मरीजों को किडनी की सेहत को लेकर खास सावधानी बरतते रहना चाहिए। इन दोनों को कंट्रोल में रखकर आप बड़ी समस्याओं से बच सकते हैं। इसके अलावा लाइफस्टाइल में सुधार करना भी जरूरी है। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम करें। इससे ब्लड प्रेशर, वजन और ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। हाई ब्लड प्रेशर से बचने के लिए एक चम्मच से कम नमक का सेवन करें। किडनी को शरीर से गंदगी निकालने में मदद करने के लिए रोजाना पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन करें। आहार में ताजे फल, सब्जियों और साबुत अनाज की मात्रा बढाएं। प्रोसेस्ड, ज्यादा सोडियम वाले और मीठे खाद्य पदार्थों का सेवन कम या बिल्कुल न करें। वजन को कंट्रोल रखें। मोटापा की स्थिति डायबिटीज, हाइपरटेंशन और किडनी की बीमारियों को बढ़ाने वाली हो सकती है। धूम्रपान करने से किडनी में रक्त का प्रवाह धीमा हो जाता है, इसलिए धूम्रपान न करें।

डाइट प्लान

शोध से पता चलता है कि डाइट का पालन करने से क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) होने का जोखिम कम हो जाता है। जिन लोगों को पहले से ही सीकेडी है उनमें भी इससे विशेष लाभ देखे गए हैं। इसमें हरी सब्जियां, फल, साबुत अनाज, फलियां, मेवे और अनसैचुरेटेड तेल का सेवन ज्यादा करने की सलाह दी जाती है। मछली, मुर्गी, अंडे और डेयरी उत्पादों का सेवन कम करना होता है। डाइट में रेड मीट, चीनी, रिफाइंड अनाज और सैचुरेटेड फैट वाली चीजों को न खाने की सलाह दी जाती है। खान-पान के इस तरीके को किडनी को हेल्दी रखने और सीकेडी के जोखिम को कम करने में मदद करने वाला पाया गया है। इसमें पौधों से भरपूर मात्रा में प्रोटीन लेने पर जोर दिया जाता है, ये जानवरों से मिलने वाले प्रोटीन की तुलना में ज्यादा फायदेमंद होता है। एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी पोषक तत्वों की ज्यादा मात्रा किडनी के ऊतकों को नुकसान से बचाने और सूजन को कम करने में मदद करती है। यह डाइट सीकेडी के जोखिम कारकों, जैसे कि हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और मोटापे को नियंत्रित करने में मदद करती है। इस डाइट के माध्यम से भरपूर फाइबर लेने से पेट के माइक्रोबायोम में सुधार होता है, जिससे उन यूरैमिक टॉक्सिन का उत्पादन कम हो जाता है जो किडनी को नुकसान पहुंचाते हैं। मेडिकल रिपोर्ट्स के अनुसार, अगर दुनियाभर में डाइट के इस पैटर्न को अपनाया जाए तो समय से पहले होने वाली लाखों मौतों को रोका जा सकता है। इस डाइट में संतुलित मात्रा में प्रोटीन, हेल्दी फैट और कार्बोहाइड्रेट शामिल होते हैं। यह डाइट ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को भी नियंत्रित रखने में मदद करती है। चूंकि डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर सीकेडी के मुख्य कारण हैं, इसलिए इन कारकों को नियंत्रित करना किडनी को होने वाले जोखिमों से बचान में मदद करती है।

किडनी का कैंसर सिर्फ बुजुर्गों को होता है

दुनियाभर में बढ़ती किडनी की बीमारियों को लेकर लोगों को शिक्षित और जागरूक करने और किडनी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर अलर्ट करने के उद्देश्य से हर साल मार्च महीने के दूसरे गुरुवार (इस बार 12 मार्च) को विश्व किडनी दिवस मनाया जाता है। यह सही है कि किडनी के कैंसर का खतरा बुजुर्गों में अधिक देखा जाता रहा है पर हालांकि यह कम उम्र वालों को भी हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि युवा आबादी में 50 से कम आयु वाले एक तिहाई लोगों में इसका खतरा हो सकता है। खराब जीवनशैली और अल्कोहल की आदत, कैंसर की फैमिली हिस्ट्री या फिर किडनी की पहले से ही रही कुछ बीमारियों के कारण युवा भी इसके शिकार हो सकते हैं।

अल्कोहल से नहीं होता किडनी कैंसर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ, किडनी और लिवर दोनों के लिए अल्कोहल को खतरनाक मानते हैं। शराब का सेवन करने से पूरे शरीर पर इसके गंभीर दुष्प्रभाव देखे जा सकते हैं। अल्कोहल की ही तरह धूम्रपान भी किडनी कैंसर के विकास के जोखिम को दोगुना कर देता है। सिर्फ यही दो आदतें पुरुषों में किडनी में कैंसर के लगभग 30% और महिलाओं में लगभग 25% का कारण बनती हैं।

किडनी कैंसर का खतरा महिलाओं में अधिक

किडनी का कैंसर किसी भी उम्र या लिंग वालों को हो सकता है। हालांकि पुरुषों में महिलाओं की तुलना में इसका जोखिम लगभग दोगुना होता है। धूम्रपान और कार्यस्थल पर कैंसर पैदा करने वाले विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने के कारण इसका खतरा अधिक हो सकता है। जिन महिलाओं को बार-बार यूटीआई या योनि संक्रमण होता रहता है उन्हें डॉक्टर से मिलकर किडनी की सेहत की जांच जरूर कराते रहना चाहिए।

किडनी में स्टोन की समस्या

किडनी में स्टोन की समस्या काफी आम है। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिला या पुरुष सभी में ये दिक्कत देखी जा रही है। खान-पान और लाइफस्टाइल में गड़बड़ी को इसके लिए मुख्यरूप से जिम्मेदार माना जाता है। आपको अभी किडनी में स्टोन नहीं है तो इसका मतलब ये नहीं है कि कभी भी ये दिक्कत नहीं होगी। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को निरंतर किडनी में पथरी होने से बचाव के लिए जरूरी उपाय करते रहने की सलाह देते हैं।

फर्जी फर्म/ कंपनियां बनाकर पैसा किया जा रहा था ट्रांसफर, 100 से ज्यादा बैंक अकाउंट किए फ्रीज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले मामले में बड़ा खुलासा
- मामले में अब तक 11 आरोपी गिरफ्तार, 16 स्थानों पर की गई गहन छापेमारी

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले की जांच में यह सामने आया है कि मुख्य आरोपियों ने कई फर्जी कंपनियां बनाकर सरकारी धन को अवैध रूप से विभिन्न खातों में ट्रांसफर किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सरकारी विभागों के खातों से इसे इन फर्जी कंपनियों के खातों में अनधिकृत रूप से भेजा जाता था।

यह जानकारी राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की एडीजीपी श्रीमती चारू बाली ने दी। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस पंचकूला में राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर उनके साथ एसपी गंगाराम पूनिया भी उपस्थित रहे। प्रेस कांफ्रेंस में बताया गया कि दिनांक 23 फरवरी 2026 को एसवी एंड एसीबी थाना पंचकूला में अज्ञात कार्मिकों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(2) सहपठित 13(1) तथा भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 316(5), 318(4), 336(3), 338, 340(2) और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया था। अब तक की जांच में 8 विभागों के 12 बैंक खातों की संलिप्तता सामने आई है। इस मामले में 16 स्थानों पर गहन छापेमारी की गई है। कुछ स्थानों से वीडियो फुटेज भी ली गई है। मामले में अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें 6 बैंक कर्मचारी, 4 निजी व्यक्ति और एक सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। इनमें से 10 आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं जबकि एक आरोपी पुलिस रिमांड पर है। जांच के दौरान अब तक 16 स्थानों पर गहन छापेमारी की गई है। इस मामले में कुछ स्थानों से वीडियो फुटेज भी ली गई है। इस दौरान संपत्तियों की खरीद से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं। साथ ही 25 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल फोन, लैपटॉप आदि जब्त किए गए हैं, जिनकी जांच साइबर फॉरेंसिक लैब की सहायता से की जा रही है। इसके अतिरिक्त 3 फॉर्च्यूनर, 2 इनोवा और 1 मर्सिडीज सहित 6 वाहन भी जब्त किए गए हैं, जिन्हें अपराध की आय से खरीदे जाने का तार्किक तौर पर संदेह है। जांच एजेंसी द्वारा अब तक 100 से अधिक बैंक खातों पर डेबिट फ्रीज लगाने के लिए अनुरोध भेजे गए हैं। जाँच में सामने आया है कि अभी तक 8 सरकारी विभागो में अनाधिकृत लेन देन सामने आया है उनकी पहचान की जा चुकी है। पिछले एक साल के लेखा जोखा की गहनता से जाँच की जा रही है जो कि अंतिम चरण में है। अभी तक की जाँच में कई सरकारी अधिकारी/ कर्मचारियों तथा निजी व्यक्तियों की संलिप्तता की भी पहचान की गई है । पुष्टि होने उपरांत विजिलेंस ब्यूरो द्वारा दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही 10 संपत्तियों की पहचान की गई है, जिन्हें अपराध से अर्जित धन से खरीदे जाने का तार्किक तौर पर संदेह है।

जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि बैंक रिकॉर्ड में फर्जी डेबिट मेमो तैयार कर या बिना किसी वैध डेबिट मेमो/चेक के ही धनराशि ट्रांसफर की गई। इसके अलावा फर्जी बैंक स्टेटमेंट भी तैयार किए गए ताकि खातों से धन उन विभिन्न खातों में स्थानांतरित किया जा सके जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आरोपियों या उनके परिजनों से जुड़े हुए थे। जांच एजेंसी द्वारा बैंकों और संबंधित विभागों से बड़ी मात्रा में रिकॉर्ड प्राप्त हो चुका है और उसका गहन विश्लेषण किया जा रहा है। अधिकृत और अनधिकृत लेन-देन की पहचान की जा रही है, ताकि पूरे फंड फ्लो का पता लगाया जा सके।

इस मामले में विभिन्न जांच एजेंसियों द्वारा मांगी गई जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है व ही विभिन्न सरकारी एजेंसियों के साथ उचित व प्रभावी सहयोग व समन्वय रखकर मामले की जांच की जा रही है। साथ ही गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है।

भारत में लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों के बढ़ते बोझ को रोकने के लिए स्लीप एपनिया का जल्दी पता लगाना जरूरी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

वर्ल्ड स्लीप डे के मौके पर, स्लीप स्पेशलिस्ट ने पॉलिसी बनाने वालों और हेल्थकेयर सिस्टम से कहा है कि वे ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का जल्दी पता लगाने और उसके मैनेजमेंट को प्राथमिकता दें, ताकि भारत में नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों के बढ़ते बोझ को कम किया जा सके। OSA एक आम लेकिन कम पता चलने वाली नींद की बीमारी है, जिसकी पहचान नींद के दौरान सांस की नली में बार-बार रुकावट से होती है, जिससे बीच-बीच में ऑक्सीजन की कमी होती है और नींद ठीक से नहीं आती। दुनिया भर में, 30-69 साल के लगभग एक अरब वयस्क OSA से पीड़ित हैं, और भारत में इस बोझ का एक बड़ा हिस्सा होने की उम्मीद है। भारतीय स्टडीज से पता चलता है कि लगभग 9-13% वयस्कों को मध्यम से गंभीर OSA हो सकता है, जिसका मतलब है कि देश में 100 मिलियन से ज्यादा लोग इससे प्रभावित हो सकते हैं, जिनमें से ज्यादातर का पता नहीं चल पाता है। बिना इलाज के OSA कई बड़ी नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों से जुड़ा हुआ है, जिनमें हाइपरटेंशन, टाइप 2 डायबिटीज, कार्डियोवैस्कुलर बीमारी, स्ट्रोक, मोटापा और मेटाबोलिक सिंड्रोम शामिल हैं। नींद के दौरान बार-बार ऑक्सीजन की कमी से सिम्पैथेटिक एक्टिवेशन, सूजन, इंसुलिन रेजिस्टेंस और वैस्कुलर डिसफंक्शन होता है, जिससे कार्डियोमेटाबोलिक बीमारियां तेज हो जाती हैं।

इस मौके पर बोलते हुए, डॉ. संदीप बंसल, प्रोफेसर और इंचार्ज स्लीप लैब, ओटोलैरिंगोलॉजी डिपार्टमेंट, और इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स फॉर स्लीप एपनिया के प्रेसिडेंट, ने कहा: भारत स्लीप एपनिया की साइलेंट एपिडेमिक को एड्रेस किए बिना हाइपरटेंशन, डायबिटीज और दिल की बीमारी की एपिडेमिक से असरदार तरीके से नहीं लड़ सकता। स्लीप एपनिया का जल्दी डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट हमारी आबादी में नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों के बढ़ते बोझ को रोकने में अहम रोल निभा सकता है। भारत में नींद की सेहत, बचाव की दवा के सबसे ज्यादा नजरअंदाज किए जाने वाले हिस्सों में से एक है। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिर्फ. खराटों की समस्या नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर मेडिकल कंडीशन है जो हाइपरटेंशन, डायबिटीज, दिल की बीमारी और स्ट्रोक से मजबूती से जुड़ी है। OSA की जल्दी पहचान और समय पर इलाज से इन नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों का बोझ काफी कम हो सकता है। स्लीप एपनिया को जल्दी पहचानना कार्डियोवैस्कुलर और मेटाबोलिक बीमारियों को रोकने में अहम भूमिका निभा सकता है, जिससे लोगों की हेल्थ बेहतर होगी और हेल्थकेयर का खर्च कम होगा। एक हेल्दी देश के लिए हेल्दी नींद जरूरी है। आज स्लीप एपनिया पर ध्यान देने से कल की OSA महामारी को रोकने में मदद मिल सकती है।

आपकी बेटी हमारी बेटी योजना के अंतर्गत बैठक का किया गया आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

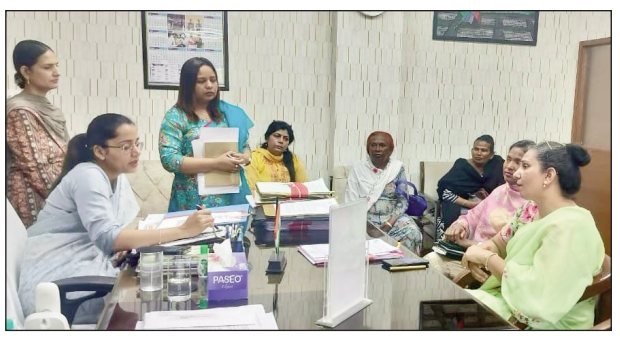

अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव की अध्यक्षता में आज महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आपकी बेटी हमारी बेटी योजना के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ट्रांसजेंडर समाज को इस योजना से जोड़ना तथा समाज में बेटियों के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करना था। अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी से ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ तथा आपकी बेटी हमारी बेटी जैसी योजनाओं के उद्देश्यों को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि ट्रांसजेंडर समुदाय को भी इन प्रयासों से जोड़कर समाज में बेटियों के प्रति सम्मान, समानता और सकारात्मक सोच को और अधिक मजबूत किया जा सकता है। श्रीमती निशा यादव ने बताया कि जिन व्यक्तियों के पास कम्युनिटी कार्ड उपलब्ध नहीं हैं, वे अपना कम्युनिटी कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि जिस प्रकार ट्रांसजेंडर समुदाय किसी घर में बेटे के जन्म पर शुभकामनाएं देने और उत्सव मनाने के लिए जाता है, उसी प्रकार बेटियों के जन्म पर भी वे परिवारों के घर जाकर जन्म का उत्सव मनाएं। बैठक का उद्देश्य समाज में समानता, सम्मान और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा आपकी बेटी हमारी बेटी योजना के माध्यम से बेटियों के महत्व को और अधिक मजबूत करना रहा। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, पंचकूला डॉ. सविता नेहरा, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर तथा जिला मिशन समन्वयक भी उपस्थित रहे।

एडीएम अमनदीप सिंह भट्टी ने कोविड के कारण अनाथ हुए बच्चों से की बातचीत

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

श्री अमनदीप सिंह भट्टी, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, चंडीगढ़ ने कोविड-19 महामारी के दौरान अपने माता-पिता को खो चुके बच्चों से संवाद किया। यह संवाद जिला बाल संरक्षण इकाई, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित किया गया। इस दौरान अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने योजना के अंतर्गत पंजीकृत 13 बच्चों के साथ विस्तार से बातचीत की तथा उनके कुशलक्षेम, शैक्षणिक प्रगति, स्वास्थ्य स्थिति और पारिवारिक वातावरण के बारे में जानकारी ली। बैठक के दौरान बच्चों ने अपने अनुभव और भविष्य की आकांक्षाएं भी साझा कीं। बच्चों को संबोधित करते हुए श्री अमनदीप सिंह भट्टी ने उन्हें आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन उनके कल्याण और समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बच्चों को अपनी पढ़ाई और भविष्य के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि प्रशासन उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। श्री भट्टी ने कहा, जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा कि प्रत्येक बच्चे को जीवन में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक अवसर और सहयोग प्राप्त हो। यदि किसी बच्चे को शिक्षा, पेशेवर पाठ्यक्रमों, कौशल विकास या किसी अन्य प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो, तो वे किसी भी समय प्रशासन से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने जिला बाल संरक्षण इकाई को निर्देश दिए कि इन बच्चों के साथ प्रत्येक तिमाही में संवाद बैठक आयोजित की जाए, ताकि उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और समग्र विकास की नियमित रूप से निगरानी की जा सके और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इस संवाद कार्यक्रम का समापन प्रशासन द्वारा बच्चों को निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए हुआ, ताकि वे सुरक्षित, आत्मविश्वासी और सफल जीवन जी सकें।

टेडेक्स के 11वें संस्करण में विभिन्न क्षेत्रों के वक्ताओं ने साझा किए सफलता और संघर्ष के अनुभव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित टेडेक्सजीजीडीएसडी के 11 वें संस्करण में छात्रों के साथ साथ प्रोफेशनल्स तथा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नए विचारों, अनुभवों और नवाचार की दिशा में प्रेरित करना था। कॉलेज की टेडेक्सजीजीडीएसडी टीम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने एक छात्रों द्वारा संचालित क्षेत्र के प्रमुख मंच के रूप में अपनी पहचान मजबूत की, जहां साझा करने योग्य विचारों को सामने लाया गया। इस संस्करण में खेल, उद्यमिता, नेतृत्व और सामाजिक प्रभाव जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े वक्ताओं की विविध श्रृंखला शामिल रही।

वक्ताओं में खेल प्रशासक रंजीत बजाज, भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान संदीप सिंह, शिक्षाविद एवं डिजिटल कंटेंट क्रिएटर करण गुलाटी, रजत अरोड़ा और हार्दिक बंगा, सेवानिवृत्त सेना अधिकारी यशपाल सिंह मोर के साथ-साथ उद्यमी नितिका गुप्ता और शगुना खेत्रपाल शामिल रहे। वक्ताओं ने अपने अनुभव और जीवन की प्रेरक कहानियां साझा करते हुए युवाओं को नई सोच अपनाने, चुनौतियों का सामना करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को वक्ताओं से सीधे संवाद करने और अपने विचार साझा करने का भी अवसर मिला। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर नई सोच विकसित करने और वास्तविक जीवन के अनुभवों से सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि टेडेक्स जैसे मंच युवाओं को नवाचार, नेतृत्व और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करते हैं। संवाद के अलावा, इवेंट में जगह-जगह कई इंटरैक्टिव स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉल्स पर क्रिएटिव डिस्प्ले, स्टूडेंट की पहल और ब्रांड कोलेबोरेशन दिखाए गए, जिससे आने वालों को रिफ्रेशमेंट का मजा लेते हुए जुड़ने, नेटवर्क बनाने और नए आइडिया खोजने का मौका मिला। यह आयोजन युवाओं के लिए प्रेरणा, नवाचार और रचनात्मकता का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। इतने सालों में, टेडेक्सजीजीडीएसडी ने युवाओं के बीच बातचीत, क्रिएटिविटी और नई सोच को बढ़ावा देने के लिए अपनी पहचान बनाई है। आयोजकों ने कहा कि 11वें संस्करण ने सोचने पर मजबूर करने वाली बातों को परफॉर्मेंस और इंटरैक्टिव अनुभवों के साथ जोड़कर इस परंपरा को जारी रखा।

शिक्षकों की सेवा शर्तों में समानता और सीएएस नियम लागू करने की उठी मांग

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

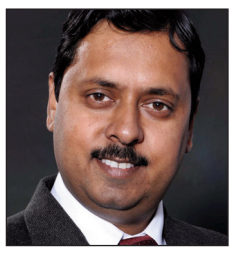

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने वीरवार को प्रशासक की एडवाइजरी काउंसिल की बैठक में शिक्षकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। बैठक के दौरान डॉ. अजय शर्मा ने प्रशासक से यूनिवर्सिटी, सरकारी और निजी सहायता प्राप्त कॉलेजों में कार्यरत शिक्षकों के लिए सेवा शर्तों में समानता सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अलग-अलग संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की सेवा शर्तों में अंतर होने से कई व्यावहारिक समस्याएं सामने आती हैं, जिन्हें दूर करना आवश्यक है। इसके साथ ही उन्होंने शिक्षकों के कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत पदोन्नति के लिए यूजीसी के 2018 नियमों को लागू करने का मुद्दा भी रखा, ताकि शिक्षकों को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पदोन्नति मिल सके। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों में एनईपी को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रशासन से सहयोग की भी मांग की। डॉ. शर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन और नीतिगत समर्थन बेहद जरूरी है। डॉ. शर्मा ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कॉलेजों में काउंसलरों की नियुक्ति का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए पेशेवर काउंसलरों की नियुक्ति बेहद आवश्यक है, ताकि छात्रों को समय पर मार्गदर्शन और सहयोग मिल सके।

संक्षिप्त-समाचार

पीजीआई के एक्सपेरिमेंटल मेडिसिन और बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट को कई सम्मान मिले

चंडीगढ़। पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च चंडीगढ़ के एक्सपेरिमेंटल मेडिसिन और बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट ने हाल ही में हुए नेशनल और इंटरनेशनल साइंटिफिक इवेंट्स में कई जाने-माने अवॉर्ड जीतकर इंस्टीट्यूशन का नाम रोशन किया है। 7 मार्च, 2026 को हुए पीजीआई के एनुअल रिसर्च डे के दौरान, डॉ. अशोक यादव को उनके रिसर्च प्रेजेंटेशन के लिए बेस्ट पेपर अवॉर्ड कैटेगरी में दूसरा प्राइज मिला, जबकि डॉ. शीतल शर्मा को तीसरा प्राइज मिला। 9-10 मार्च, 2026 को सोलन (हिमाचल प्रदेश) में शूलिनी यूनिवर्सिटी के एप्लाइड साइंस और बायोटेक्नोलॉजी फैकल्टी द्वारा आयोजित एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस और ग्लोबल हेल्थ के लिए बायोटेक्नोलॉजी पर पीजीआई द्वारा स्पॉन्सर्ड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में और पहचान मिली। कॉन्फ्रेंस में, डॉ. ज्योति कुंडू और डॉ. शीमोना चौधरी को क्रमशः क्लिनिकल, मेडिकल और फार्मास्युटिकल साइंसेज और एनवायर्नमेंटल साइंसेज की कैटेगरी में महिला साइंटिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, सुश्री सुमनप्रीत कौर को उनके शानदार रिसर्च योगदान के लिए अर्ली रिसर्च करियर अवॉर्ड मिला। सुश्री पारुल यादव, एक टी.यू. स्टूडेंट, और श्री विशाल, स्कॉलर, को उनके रिसर्च प्रेजेंटेशन के लिए बेस्ट पोस्टर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। ये उपलब्धियां डिपार्टमेंट के फैकल्टी मेंबर्स और स्टूडेंट्स द्वारा किए जा रहे मजबूत साइंटिफिक योगदान और इनोवेटिव रिसर्च को हाईलाइट करती हैं। डिपार्टमेंट ने सभी अवॉर्ड पाने वालों को उनकी उपलब्धियों और इंस्टीट्यूट को गर्व और पहचान दिलाने के लिए बधाई दी।

15 हजार रूपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया बिजली निगम का कर्मचारी

चंडीगढ़। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो फरीदाबाद की टीम ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के एक कर्मचारी को 15000 रूपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ब्यूरो की टीम ने मुबारिक, यू.डी.सी./सी.ए., कार्यालय उपमंडल सेक्टर-55, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम, फरीदाबाद को शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, फरीदाबाद में मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में बताया कि उसके आवास के अतिरिक्त एक मकान उसकी पत्नी के नाम सेक्टर-56, फरीदाबाद में है। उस मकान का बिजली बिल गलत तरीके से लगभग 2 लाख 72 हजार रुपये आ गया था। बिल को ठीक कराने के लिए जब वह बिजली कार्यालय सेक्टर-55, फरीदाबाद गया तो वहां सी.ए. शाखा में तैनात मुबारिक से उसकी मुलाकात हुई। आरोप है कि मुबारिक ने कहा कि वह बिल में लगभग 72 हजार रुपये की कटौती करवा देगा, जिसके बदले में उसने 25 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायत के अनुसार आरोपी ने 06 मार्च 2026 को 10 हजार रुपये रिश्वत के रूप में पहले ही ले लिए और बाकी रकम मिलने पर फाइल आगे बढ़ाने की बात कही। बाद में आरोपी ने शिकायतकर्ता को शेष 15 हजार रुपये देने के लिए बुलाया। शिकायत मिलने पर एसवी एवं एसीबी फरीदाबाद की टीम ने योजना बनाकर 11 मार्च 2026 को ट्रैप कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान आरोपी मुबारिक को उसके कार्यालय के नजदीक एक साइबर कैफे के बाहर शिकायतकर्ता की कार में बैठकर 15 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की निशानदेही पर उसके बैग से पहले लिए गए 10 हजार रुपये भी बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त आरोपी के बैग से 1 लाख 5 हजार रुपये की अन्य संदिग्ध नकदी भी बरामद हुई है, जिसके संबंध में पूछताछ की जा रही है फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है और आगे की कार्रवाई कानून अनुसार की जा रही है।

किडनी को स्वस्थ्य रखने को लेकर पीजीआईएमईआर में सम्मेलन आयोजित

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी में, पीजीआईएमईआर टीम ने स्टूडेंट्स के साथ बातचीत की और हेल्दी लाइफस्टाइल की आदतों और मॉडिफाइड रिस्क फैक्टर्स से बचने के जरिए किडनी की हेल्थ बनाए रखने के बारे में आसान और प्रैक्टिकल शब्दों में बात की। उन्होंने सस्टेनेबल डाइटरी प्रैक्टिस पर जोर दिया और गैर-जरूरी सप्लीमेंट्स पर निर्भर रहने के बजाय प्रोटीन के नेचुरल, बैलेंस्ड सोर्स पर जोर दिया। इन इंस्टीट्यूशन्स के स्टूडेंट्स ने किडनी की हेल्थ, डाइटरी प्रैक्टिस और प्रोटीन सप्लीमेंट्स के बारे में बहुत उत्सुकता दिखाई, जिससे दिलचस्प चर्चा हुई। उनके सवालों के जवाब में, टीम ने किडनी की बीमारी के इलाज में हाल की तरक्की और नेफ्रोलॉजी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उभरती भूमिका पर भी चर्चा की। दादू माजरा में, पीजीआईएमईआर के नेफ्रोलॉजी डिपार्टमेंट की टीम ने डॉ. सुखपाल कौर और डॉ. नैना सिंह की नर्सिंग टीमों के साथ मिलकर किडनी की सेहत, लाइफस्टाइल के तरीकों और किडनी की बीमारी से बचाव से जुड़े आम सवालों पर एक सेशन किया। इस सेशन को किडनी की देखभाल पर हाथ से बने पोस्टर और स्लोगन से और भी खूबसूरत बनाया गया। इस आउटरीच प्रोग्राम में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जुड़ाव महसूस किया। स्टूडेंट्स और कम्युनिटी के लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी और एक्टिव बातचीत ने वर्ल्ड किडनी डे आउटरीच पहल को किडनी की सेहत के बारे में जागरूकता बढ़ाने का एक मतलब वाला और सफल प्रयास बना दिया।

बाल विवाह के सामाजिक, शैक्षिक, स्वास्थ्य एवं कानूनी दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करना था मकसद

चंडीगढ़ प्रशासन ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन के अधीन कार्यरत यूटी चाइल्ड प्रोटेक्शन सोसाइटी द्वारा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पहल बाल विवाह मुक्त भारत के अंतर्गत चलाए गए 100 दिवसीय गहन विषयगत अभियान के तहत शहर भर में व्यापक जागरूकता एवं संवेदनशीलता गतिविधियां आयोजित की गईं।

चाइल्ड मैरिज फ्री चंडीगढ़ थीम पर आधारित इस अभियान का उद्देश्य बाल विवाह के सामाजिक, शैक्षिक, स्वास्थ्य एवं कानूनी दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करना था। इसके साथ ही विवाह की कानूनी आयु (लड़कियों के लिए 18 वर्ष तथा लड़कों के लिए 21 वर्ष) तथा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों के बारे में भी जानकारी दी गई, जिसके तहत दो वर्ष तक का कारावास और ₹1 लाख तक का जुमार्ना हो सकता है। नागरिकों से बाल विवाह के मामलों की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 (24७7) तथा पुलिस हेल्पलाइन 112 पर देने की भी अपील की गई।

अभियान के दौरान चंडीगढ़ में कुल 130 जागरूकता एवं संवेदनशीलता गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें समुदाय और विभिन्न विभागों से 45,113 लोगों ने भाग लिया। इन गतिविधियों में हल्लोमाजरा, रामदरबार, बुरैल और मौली जागरां जैसे क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक, स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों तथा बाल देखभाल संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम, शपथ ग्रहण समारोह, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिताएं, व्याख्यान, कहानी सत्र और डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन शामिल रहे। इसके अलावा मंदिरों, मस्जिदों, मदरसों, बाजारों, अस्पतालों और परिवहन केंद्रों पर बैठकें और जनजागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। समुदाय को जागरूक करने के लिए पम्पलेट, बैनर और जनअपील पोस्टर जैसे आईईसी सामग्री का व्यापक वितरण एवं प्रदर्शन किया गया। साथ ही रेडियो जिंगल्स और आधिकारिक डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से भी जागरूकता संदेश प्रसारित किए गए। धार्मिक संस्थानों, विवाह स्थलों, बैंड पार्टियों, कैटरर्स, डीजे, दर्जियों, फोटोग्राफरों, डेकोरेटर्स और टेंट हाउस संचालकों से भी लिखित आश्वासन लिया गया कि वे बाल विवाह को समर्थन या सुविधा प्रदान नहीं करेंगे।

यह अभियान चंडीगढ़ चाइल्ड एंड वूमेन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड आंगनवाड़ी सेवाएं, शिक्षा विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाइयां चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बाल सारथी क्लब, बाल देखभाल संस्थान तथा चंडीगढ़ प्रशासन के विभिन्न विभागों, बोर्डों और इकाइयों के सहयोग से संचालित किया गया। इसके अंतर्गत बाल विवाह की रोकथाम को लेकर यूटी स्तर पर शपथ ग्रहण गतिविधियों में भी व्यापक भागीदारी रही। 100 दिवसीय अभियान के सफल समापन के साथ इन समन्वित प्रयासों ने समुदाय में जागरूकता को उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ किया तथा बाल विवाह मुक्त चंडीगढ़ के लक्ष्य की दिशा में सामूहिक प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।